सब का सपना

निष्पक्ष व निडर साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–01 अंक–31 अमरोहा उत्तर प्रदेश www.sabkasapna.com सोमवार ● 29 जुलाई से 04 अगस्त 2024 पेज–08 मूल्य 5 रूपये

पेज–05

जरूर पढ़ें

आधिकारिक दर्जा के लिए रवि किशन ने पेश किया निजी विधेयक

नई दिल्ली : भोजपुरी सुपरस्टार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रवि किशन ने भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए लोकसभा में एक निजी सदस्य विधेयक पेश किया है ताकि इसे आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया जा सके। रवि किशन ने शुक्रवार को संविधान (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया और कहा कि वह इस बात को रेखांकित करना चाहते हैं कि भोजपुरी भाषा बकवास गीतों के बारे में नहीं है, बल्कि इसका एक समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास और साहित्य है जिसे बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

अमित शाह बोले– करगिल युद्ध में भारत के वीर सपूतों ने अदम्य साहस का परिचय दिया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय सेना के जवानों ने करगिल युद्ध के दौरान हिमालय की दुर्गम पहाड़ियों में अदम्य वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन की सेना को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। अमित शाह ने कहा कि करगिल विजय दिवस सेना के बहादुर जवानों की वीरता के अटूट संकल्प का प्रतीक है।उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "करगिल के युद्ध में वीर जवानों ने हिमालय की दुर्गम पहाड़ियों में पराक्रम की पराकाष्ठा का परिचय देते हुए दुश्मन की सेना को घुटने टेकने पर मजबूर किया और करगिल में पुनः तिरंगा लहराकर देश को गौरवान्वित किया।"गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय सैनिकों के त्याग, समर्पण व बलिदान को कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं पाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिया सफलता का मंत्र

विकास की विरासत का निर्माण 'विकसित भारत' की संकल्पना में विशेष महत्व रखता है

नई दिल्ली , एजेंसियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें अधिक मजबूती से लोक कल्याण के समन्वित और मजबूत प्रयासों में जुट जाती हैं तो 'विकसित भारत' का लक्ष्य निश्चित तौर से हासिल किया जा सकता है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुशासन प्रकोष्ठ के संयोजक विनय सहस्त्रबुद्धे की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक मोदी ने कहा कि विरासत का विकास करना और विकास की विरासत का निर्माण करना 'विकसित भारत' की संकल्पना में विशेष महत्व रखता है।

प्रधानमंत्री यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के 13 मुख्यमंत्रियों और 15 उपमुख्यमंत्रियों की दो दिवसीय बैठक के दूसरे दिन उन्हें संबोधित कर रहे थे। मोदी ने देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के अपनी सरकार के एजेंडे के बारे में विस्तार से चर्चा की और कल्याणकारी उपायों में जनता की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विभिन्न समूहों को लक्षित करते हुए सरकारी योजनाओं की अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर भी जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जे पी नड्डा सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने 'मुख्यमंत्री परिषद' में भाग लिया। इसका आयोजन समय–समय पर होता रहता है और इसमें बड़े पैमाने पर शासन के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई शिक्षा नीति और इसके क्रियान्वयन में राज्यों की भूमिका के बारे में बात की। बैठक के दौरान विभिन्न राज्यों ने अपनी कुछ प्रमुख व महत्वाकांक्षी योजनाओं पर प्रस्तुति दी।मुख्यमंत्रियों समेत भाजपा नेताओं के साथ बातचीत में मोदी ने अक्सर कल्याणकारी योजनाओं की कवरेज सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया है और कहा है कि पार्टी शासित राज्यों को सुशासन के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने शनिवार को कहा, ₹हमारी पार्टी सुशासन को आगे बढ़ाने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही है।''

भाजपा द्वारा नियमित अंतराल पर आयोजित 'मुख्यमंत्री परिषद' का उद्देश्य राज्यों में प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करना, शासन के सर्वोत्तम तौर–तरीकों और केंद्र सरकार की कल्याणकारी पहल को लागू करना है। आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, राजस्थान के भजनलाल शर्मा और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी शामिल हुए।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना हर भारतीय की महत्वाकांक्षा

नई दिल्ली , एजेंसियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना हर भारतीय की महत्वाकांक्षा है और राज्य इस लक्ष्य को हासिल करने में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं क्योंकि वे लोगों से सीधे जुड़े हुए हैं। मोदी नीति आयोग की नौवीं शासी परिषद की बैठक में यह कहा।

आयोग ने मोदी के हवाले से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''भारत को 20247 तक विकसित राष्ट्र बनाना हर भारतीय की महत्वाकांक्षा है। राज्य इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं क्योंकि वे लोगों से सीधे जुड़े हुए हैं।'' बैठक 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने पर केंद्रित है।

इस बैठक का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच सहभागी संचालन तथा सहयोग को बढ़ावा देना, वितरण तंत्र को मजबूत करके ग्रामीण और शहरी दोनों आबादी के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है। नीति आयोग की शीर्ष संस्था शासी परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उप राज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन हैं। बैठक में पिछले साल दिसंबर में आयोजित मुख्य सचिवों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की सिफारिशों पर भी गौर किया जाएगा।

मुख्यमंत्रियो समेत भाजपा नेताओं के साथ बातचीत में मोदी ने अक्सर कल्याणकारी योजनाओं की कवरेज सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया है और कहा है कि पार्टी शासित राज्यों को सुशासन के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होने शनिवार को कहा, ₹हमारी पार्टी सुशासन को आगे बढ़ाने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही है।''भाजपा द्वारा नियमित अंतराल पर आयोजित 'मुख्यमंत्री परिषद' का उद्देश्य राज्यो में प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करना, शासन के सर्वोत्तम तौर–तरीकों और केंद्र सरकार की कल्याणकारी पहल को लागू करना है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने की कई राज्यपालों की नियुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसियां

नई दिल्ली/बरेली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष कुमार गंगवार और रमन डेका को राज्यपाल नियुक्त किया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से शनिवार रात जारी विज्ञप्ति यह जानकारी दी गई। विज्ञप्त के अनुसार संतोष कुमार गंगवार को झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

वहीं, हरिभाऊ किसनराव बागडे को राजस्थान का राज्यपाल और जिष्णु देव वर्मा को तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रपति ने ओम प्रकाश माथुर को सिक्किम का राज्यपाल, डेका को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल और सी. एच. विजयशंकर को मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया है। इसके अलावा तेलंगाना के अतिरिक्त प्रभार के साथ झारखंड के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा में 'बैट' का हमला नाकाम

मुंबई , एजेंसियां

नई दिल्ली/श्रीनगर। भारतीय सेना ने जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के कमकारी सेक्टर में शनिवार को पाकिस्तान की 'बॉर्डर एक्शन टीम' (बीएटी) के हमले को नाकाम कर दिया। हालांकि, इस दौरान छिड़ी मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया और एक कैप्टन सहित चार अन्य सैन्यकर्मी घायल हो गए। सेना के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी घुसपैठिया भी मारा गया।

'बैट' में आम तौर पर पाकिस्तानी सेना के विशेष बल के जवान और आतंकवादी शामिल होते हैं। एक सूत्र ने कहा, ''भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने आज सुबह कमकारी सेक्टर में 'बॉर्डर एक्शन टीम' के हमले को नाकाम कर दिया।'' उसने कहा, ''मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया।''

सूत्रों ने बताया कि घंटों चली भीषण गोलीबारी के बीच दो घुसपैठिये पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भाग गए। उन्होंने बताया कि तीन घुसपैठियों के समूह ने उत्तर कश्मीर जिले के त्रेहगाम सेक्टर में कुमकडी चौकी के पास अग्रिम चौकी पर ग्रेनेड फेंका और गोलीबारी की। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में पांच जवान घायल हो गए, जिनमें से एक ने बाद में दम तोड़ दिया। सूत्रों के अनुसार, एक कैप्टन समेत चार घायल सैन्यकर्मियों को बेस अस्पताल ले जाया गया है।

भाई ने अश्लील वीडियो देखने के बाद बहन के साथ किया दुष्कर्म

रीवा, एजेंसियां

रीवा (मध्य प्रदेश)। मध्य प्रदेश के रीवा में नौ वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार और हत्या की जांच कर रही पुलिस ने पाया है कि उसके किशोर भाई ने मोबाइल पर अश्लील वीडियो देखने के बाद उसका यौन उत्पीड़न किया और फिर उसे मार डाला। पुलिस ने जांच में यह भी पाया कि किशोर की मां और दो बड़ी बहनों ने इस मामले को दबाने में मदद की। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि 50 लोगों से पूछताछ, आरोपियों से गहन पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले का खुलासा किया गया और पीड़ित लड़की के 13 वर्षीय भाई, उनकी मां और 17 और 18 वर्षीय बहनों को हिरासत में लिया गया। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष अप्रैल को जवा थानाक्षेत्र में नौ वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म करके उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद पुलिस ने एक मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी थी।

उन्होंने बताया कि पीड़िता का शव उसके घर के आंगन से बरामद किया गया, जहां वह घटना के समय सो रही थी। उन्होंने बताया कि परिजनों से गहन पूछताछ के बाद पता चला कि पीड़िता का 13 वर्षीय भाई रात में उसके पास सोया था। उन्होंने बताया कि किशोर लड़के ने मोबाइल फोन पर अश्लील वीडियो देखने के बाद अपनी बहन के साथ दुष्कर्म किया था।

उन्होंने बताया कि पीड़िता ने जब यह बात अपने पिता को बताने की धमकी दी तो लड़के ने उसका गला घोंट दिया और बाद में अपनी मां को जगाया और पूरी बात बतायी। उन्होंने बताया कि मां ने तब देखा कि पीड़िता अभी जीवित है, तो यह देखकर आरोपी ने फिर से उसका गला घोंट दिया। उन्होंने बताया कि इस बीच किशोर की दो बड़ी बहनें भी जाग गईं और पुलिस को सूचना देने से पहले जांच को गुमराह करने के लिए सभी ने अपना बिस्तर बदल लिया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हालांकि, बार–बार पूछताछ के बाद उन्होंने आखिरकार अपना अपराध स्वीकार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि लड़के, उसकी दो बहनों और उनकी मां को हिरासत में लेने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया, ₹पुलिस को 24 अप्रैल की सुबह सूचना मिली कि लड़की का शव घर के आंगन में पड़ा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बलात्कार और हत्या से संबंधित साक्ष्य मिले और जांच के लिए एसआईटी टीम गठित की गई। उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं को गुमराह करने के लिए परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया था कि लड़की की मौत किसी जहरीले कीड़े के काटने से हुई है। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि घर में किसी के घुसने का कोई संकेत नहीं था और परिवार के सदस्यों ने रात में किसी तरह की आवाज सुनने से भी इनकार किया है।

धन शोधन मामला: सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत सोरेन की जमानत के खिलाफ ईडी की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसियां

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत देने के झारखंड उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय का 28 जून का आदेश ''बेहद तर्कपूर्ण'' था। पीठ ने कहा, "हम संबंधित आदेश में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं।"

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन ने मामले में ईडी द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किए जाने से कुछ समय पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। मामले में जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद वह चार जुलाई को फिर से मुख्यमंत्री पद पर काबिज हुए। उच्च न्यायालय में सोरेन की जमानत अर्जी का विरोध करते हुए ईडी ने आरोप लगाया था कि उन्होंने राज्य की राजधानी रांची के बार्गेन क्षेत्र में 8.86 एकड़ जमीन ''गैरकानूनी'' तरीके से हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री पद का दुरुपयोग किया। वहीं, सोरेन के वकील ने दलील दी थी कि केंद्रीय एजेंसी ने उन्हें आपराधिक मामले में गलत तरीके से फंसाया है। ईडी ने दावा किया था कि जांच के दौरान सोरेन के मीडिया सलाहकार अभिषेक प्रसाद ने स्वीकार किया था कि झामुमो नेता ने उन्हें भूखंड के स्वामित्व विवरण को बदलने के लिए आधिकारिक रिकॉर्ड में हेरफेर करने का निर्देश दिया था।

एजेंसी ने यह भी दावा किया था कि जमीन के मूल मालिक राज कुमार पाहन ने अपनी जमीन हड़पे जाने की शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की थी, लेकिन उस पर कभी कार्रवाई नहीं की गई। सोरेन को ईडी ने कई बार तलब किया गया, जिसके बाद उनसे उनके आवास पर पूछताछ की गई और फिर 31 जनवरी को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था।

एजेंसी ने यह भी दावा किया था कि जमीन के मूल मालिक राज कुमार पाहन ने अपनी जमीन हड़पे जाने की शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की थी, लेकिन उस पर कभी कार्रवाई नहीं की गई। सोरेन को ईडी ने कई बार तलब किया गया, उनसे उनके आवास पर पूछताछ की गई और फिर 31 जनवरी को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था।

टमाटर दिल्ली के साथ–साथ नोएडा और गुरुग्राम में भी बेचा जाएगा।

सरकार ने की दिल्ली में 60 रुपये किलो के भाव पर सब्सिडी वाले टमाटर की बिक्री शुरू

नई दिल्ली: एजेंसी

नई दिल्ली। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने सोमवार को कीमतों को स्थिर करने और आम आदमी को राहत प्रदान करने के सरकार के प्रयासों के तहत दिल्ली–एनसीआर में 60 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी वाली दर पर टमाटर की बिक्री शुरू की। एक सरकारी बयान के अनुसार, राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) की वैन, सब्सिडी वाली दर पर टमाटर उपलब्ध कराएगी। टमाटर दिल्ली के साथ–साथ नोएडा और गुरुग्राम में भी बेचा जाएगा।

केंद्र ने खुदरा बाजार में टमाटर की बढ़ती कीमतों को स्थिर करने के लिए बाजार हस्तक्षेप पहल की। इस बारे में आयोजित समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत में जोशी ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के विभाग ने प्रमुख शहरों, खासकर दिल्ली में टमाटर की कीमतों में उछाल को रोकने के लिए यह पहल शुरू करने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा, ''आज से सब्सिडी वाले टमाटर 60 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचा जाएगा।'' राष्ट्रीय राजधानी में सब्जी विक्रेता टमाटर की गुणवत्ता और स्थान के आधार पर इसे 70–100 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेच रहे हैं। जोशी ने कहा कि केंद्र ने बढ़ती खाद्य कीमतों को स्थिर करने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) की स्थापना की है। उन्होंने कहा, ''जब भी कोई स्थिति उत्पन्न होती है तो आवश्यक वस्तुओं की कीमत बढ़ जाती है और हम वस्तुओं की खरीद के लिए पीएसएफ का उपयोग करते हैं। ये आवश्यक वस्तुएं सीधे किसानों से खरीदी जाती हैं, जिससे बिचौलियों की लागत कम होती है और उपभोक्ताओं को उपलब्धता सुनिश्चित होती है।''इस मामले में, मंत्री ने कहा कि पीएसएफ का उपयोग नहीं किया गया क्योंकि टमाटर सीधे मंडियों से खरीदे गया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से टमाटर की कीमतों में कमी आएगी, बाजार में स्थिरता आएगी और उपभोक्ताओं को रियायती दर पर टमाटर उपलब्ध होंगे। खुदरा बाजार में टमाटर की बढ़ती कीमतों को स्थिर करने के लिए एनसीसीएफ ने बाजार हस्तक्षेप शुरू किया है। महासंघ, थोक मंडियों से टमाटर खरीद रहा है और उन्हें उचित खुदरा कीमतों पर बेच रहा है। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खुदरा स्तर पर लाभ मार्जिन उचित रहे और बिचौलियों को अप्रत्याशित लाभ न मिले और इस तरह उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा हो।बयान में कहा गया है कि इस हस्तक्षेप के ज़रिये, एनसीसीएफ का उद्देश्य मूल्यवृद्धि को कम करना और बाज़ार में मूल्य स्थिरता बनाए रखना है, जिससे उपभोक्ताओं को लाभ होगा और निष्पक्ष व्यापार व्यवहार को बढ़ावा मिलेगा। यह हस्तक्षेप उपभोक्ता हितों की रक्षा करने और एक स्थिर बाज़ार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए एनसीसीएफ की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कांवड़ यात्रा: 'नाम' प्रदर्शित करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने 5 अगस्त तक बढ़ाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसियां

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर खाद्य पदार्थों के विक्रेता, होटल मालिकों को अपने और अपने यहां काम करने वाले अन्य कर्मचारियों के नाम सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश पुलिस समेत अन्य के आदेश पर रोक शुक्रवार को पांच अगस्त तक बढ़ा दी।

न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने 'नाम' प्रदर्शित करने के आदेशों की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद रोक बढ़ाने संबंधी आदेश पारित करते हुए कहा कि यदि कोई स्वैच्छिक रूप नाम प्रदर्शित करना चाहे, तो ऐसा कर सकता है।

पीठ ने स्पष्ट किया कि पिछला आदेश (22 जुलाई) किसी को भी मालिकों और कर्मचारियों के नाम स्वेच्छा से प्रदर्शित करने से नहीं रोकता है। पीठ ने कहा, अगर कोई स्वेच्छा से ऐसा करना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है, लेकिन कोई जोर नहीं देना चाहिए,₹ शीर्ष अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के एसएसपी द्वारा 17 जुलाई को जारी निर्देश का बचाव करने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के जवाबी हलफनामे पर अपना (याचिकाकर्ता का) जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा।सिंघवी ने दलील देते हुए दावा किया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वीकार किया है कि भेदभाव हुआ है, लेकिन यह स्थायी प्रकृति का नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले 60 वर्षों में ऐसा कोई आदेश नहीं दिया गया था। शीर्ष अदालत के समक्ष उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि केंद्रीय कानून खाद्य एवं सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के तहत नियमों के अनुसार ढाबों सहित प्रत्येक खाद्य विक्रेता को मालिकों के नाम प्रदर्शित करना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि रोक संबंधी अंतरिम आदेश इस केंद्रीय कानून के अनुरूप नहीं है। उनकी इस दलील पर अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि यदि ऐसा है तो इसे पूरे राज्य में क्यों नहीं लागू किया गया। शीर्ष अदालत ने सोमवार 22 जुलाई को नाम प्रदर्शित करने के आदेश पर रोक लगाते हुए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकारों को अगली सुनवाई 26 जुलाई से पहले अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया था।

जिलाधिकारी ने संचारी रोग अभियान को लेकर की समीक्षा बैठक

अमरोहा/गजरौला जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता कलेक्ट्रेट से सभागार में दिनांक 01 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक चल रह संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक चल रह दस्तक अभियान चलाए जाने के संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संचारी रोग अभियान में किन-किन विभागों की सहभागिता है होगी उन सभी विभागों से एक-एक करके जानकारी ली। जिलाधिकारी ने नौगांव सादात के बुध बाजार में सफाई व्यवस्था ठीक न होने पर अधिशासी अधिकारी नौगांव सादात को प्रतिकूल प्रविष्टि के आदेश दिए उन्होंने कहा कि अगर आगे साफ सफाई न होने पर एड नौगावां सादात खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा क्यों बैठक में समय से उपस्थित होने के निर्देश दिए और कहा कि जिन-जिन क्षेत्रों में साफ सफाई रह गई है वहां पर अभियान चला कर साफ सफाई कराएं।

जिलाधिकारी ने विकास खंड बड़ा में सभी इंडिकेटर खराब होने पर कड़ी नाराजगी के साथ कहा कि 31 जुलाई तक सभी कार्य पूर्ण हो जाएं साफ सफाई में किसी प्रकार की कोई कमी ना रहे अन्यथा आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देश दिए कि जो भी विकसित की जाती है उसकी रिपोर्ट ग्रुप में अवश्य प्रेषित की जाए।

दस्तक अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी ने जानकारी प्राप्ति की कितनी आशाओं द्वारा घर-घर जाकर भ्रमण किया और दस्तक अभियान को कितनी सफलता प्राप्त हुई जिलाधिकारी ने कहा कि जिन आशाओं द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा है उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए और जो आशाएं अच्छा कार्य कर रहे हैं उनको सम्मानित किया जाए।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग की कोई भी योजना धरातल पर नहीं आ रही है इसलिए आप एक्शन ले और कार्य को ठीक करें किसी भी कार्य में कोई शीतलता ना बरती जाए। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायत में सचिव कार्य नहीं कर रहे हैं उन पर कार्यवाही करें।

उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाकर साफ सफाई कराई जाए। पंचायत राज विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में नालियों में घास फूस कीचड़ की साफ सफाई और जल जमाव वाले स्थलों पर चूना, एंटी लारवा दवा का छिड़काव प्राथमिकता के साथ करा दिया जाए। इसी तरह शहरी क्षेत्र में अधि0 अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत नालों नालियों की साफ सफाई करा दिया जाए जल जमाव वाले स्थान पर एंटी लारवा चूना का छिड़काव तथा अभियान चला फॉगिंग कराया जाए।

जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि करते हुए आशा और अठट दस्तक अभियान के तहत घर-घर सर्वे मरीजों को चिन्हित किया जाए। कहा कि सर्वे पर प्राप्त होने वाले मरीजों को बेहतर चिकित्सा दिया जाए। कहा कि लोगों को संचारी रोगों के बारे में जानकारी के लिए पंपलेट पोस्ट वितरित कर लोगों को जागरूक किया जाए। जागरूकता अभियान को अधिक से अधिक लोगों में संचारी रोगों की जानकारी प्राप्त हो सके फागिंग में किसी प्रकार की लापरवाही ना हो। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि ब्लॉक के सभी एमओआईसी एवं एडीओ पंचायत के कार्य में शिथिलता बहुत ज्यादा है इसलिए आपस में मिलकर कार्य करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सतपाल सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका अमरोहा आदि सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक नजर

अमरोहा: महिला पर जानलेवा हमला करने के दोषी को 10 साल की सजा

अमरोहा। गन्ने के खेत में खींचकर दुष्कर्म करने का विरोध करने पर महिला पर जानलेवा हमला करने के मामले में अदालत ने ग्राम प्रधान पुत्र को 10 साल की सजा सुनाई है। दोषी पर 22 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। इस समय दोषी जमानत पर था, लेकिन सजा होने के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

यह मामला गजरौला थाना क्षेत्र का है। 29 मार्च 2019 को एक घटना हुई। वारदात वाले दिन यहां रहने वाले एक किसान की पत्नी शाम को खेत पर चारा लेने गई थी। उस दौरान वहां पहुंचे ग्राम प्रधान के पुत्र मदन ने महिला को पकड़ लिया था। खेत में ले जाकर दुष्कर्म करने के विरोध पर युवक ने पीड़िता पर दरांती से हमला कर दिया था। चेहरे पर ताबड़तोड़ वार किए थे।पीड़िता के शोर मचाने पर आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों के पहुंचने के बाद आरोपी पीड़िता के गले में फंसी दरांती छोड़कर भाग गया था। पुलिस को मौके पर बुलाने के बाद परिजनों ने पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया था। मामले में पीड़िता के पुत्र ने आरोपी मदन के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास व जानलेवा हमला करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी मदन को गिरफ्तार कर चालान कर दिया था। फिलहाल, वह जमानत पर था।

बी एस डी एकेडमी ने फिर से रचा इतिहास,11 बच्चों का फाइनल चयन

अमरोहाः– जनपद के धनोरा रोड जिला बी.एस.डी एकेडमी जनपद में एक अलग नई पहचान बना रहा है। जहां बी.एस.डी अकैडमी में देश के कोने-कोने से छात्र-छात्रा सैनिक की तैयारी कर रहे हैं।

बी एस डी एकेडमी जो पहले नजफगढ़ (दिल्ली) तथा बहादुरगढ़ (हरियाणा) में अपनी सेवा दे चुका है। लेकिन अब 2016 से मंडी धनौरा (अमरोहा) में लगातार अपनी सेवा दे रहा है और बच्चों के बेहतर भविष्य बनाने के लिए सैनिक स्कूल, मिलिट्री स्कूल, यूपी सैनिक स्कूल, आरआईएमसी देहरादून, नवोदय विद्यालय, विद्याज्ञान, गुरुकुल कुरुक्षेत्र, एएमयू अलीगढ़, बीएचयू आदि स्कूल की निरंतर तैयारी करा रहा है। वही आज स्पोर्ट्स स्कूल राई सोनीपत में बी एस डी एकेडमी के नॉन हरियाणा में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी सीटों पर दावेदार रहा जिसमे 11 बच्चों का फाइनल चयन हुआ। जिसमे दित्या, आयुषी, अतुल, अक्षित, रुद्र तेजा, अब्दुल समद, मोहम्मद शान, अरिहंत ओरा, कार्तिक त्यागी, मानव भारद्वाज गार्विक सिद्धू आदि को गजरौला ब्लॉक प्रमुख वीरेंद्र सिंह ने फूल मालाओं के साथ बच्चों का जोरदार स्वागत किया। इसी के साथ बच्चों को शील्ड देकर सम्मानित भी किया ।बी.एस.डी अकैडमी में देश के कोने-कोने से छात्र-छात्रा सैनिक की तैयारी कर रहे हैं।

इस अवसर पर प्रबंधक नितिन धारीवाल , निर्देशिका सुशीला देवी जी तथा मान्य मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख वीरेंद्र धारीवाल जी तथा साथ में आये सचिन चौधरी, पिंटू धारीवाल, शशि चड्ढा, नामित, सुमित व अन्य अतिथि गण द्वारा सम्मानित किया गया तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

जनपद भर में नहीं है कोई भी शराब माफियाः आबकारी अधिकारी जितेंद्र कुमार पांडेय

अमरोहा। जनपद में कोई भी शराब माफिया नहीं है। जहां आबकारी विभाग ने जनपद की सभी तहसील क्षेत्र में छापेमारी कर शराब माफिया का पता लगाने में जुटी है। इसी के साथ अवैध शराब का कारोबार करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जा रही है।

इस दौरान जिला आबकारी अधिकारी जितेंद्र कुमार पांडेय ने बताया है कि उन्होंने जनपद में साथ संभाले हुए लगभग 5 महीना हो चुके हैं। तब से जनपद में शराब माफिया के विरुद्ध कार्रवाई चल रही है। उन्होंने बताया कि 17 जुलाई से लेकर 26 जुलाई तक हसनपुर में शराब माफिया के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की। इस दौरान हसनपुर में अवैध शराब बनाने वाले 415 लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया। जिनके कब्जे से 22 सौ 92 लीटर शराब बरामद की है। उन्होंने कहा है कि अवैध शराब का धंधा करने वाले लोगों को किसी भी हद तक बक्सा नहीं जाएगा। इस दौरान जिला आबकारी अधिकारी की बड़ी कार्यवाही से शराब माफिया में हड़कंप मचा हुआ है। जिला आबकारी अधिकारी जितेंद्र कुमार पांडेय ने बताया है कि शराब माफियाओं के विरुद्ध जनपद अमरोहा में आगे भी अभियान लगातार चलता रहेगा।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस हेतु अभिमुखीकरण का आयोजन

अमरोहाः जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सत्यपाल सिंह ने जानकारी देते हुए कहा की आज दिनांक 27 जुलाई 2024 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी अमरोहा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस दिनांक 10 अगस्त 2024 हेतु जनपद स्तर पर एक अभिमुखीकरण का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त चिकित्सा अधीक्षक, खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 01 वर्ष से 19 वर्ष के बच्चों को कृमि संक्रमण (पेट के कीड़े) से बचाव हेतु दिनांक 10 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस एवं छूटे हुये बच्चों को एल्बेण्डाजॉल की गोली खिलाने हेतु 14 अगस्त 2024 मॉप-अप राउण्ड मनाया जायेगा। जिसमें कुल 1067275 बच्चों को एल्बेण्डाजॉल की गोली खिलाई जायेगी। समस्त सम्बन्धित विभागों को कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु निर्देश दिये गये। नोडल अधिकारी डॉ० गजेन्द्र सिंह, के द्वारा अवगत कराया गया कि एल्बेण्डाजॉल की गोली वर्ष में दो बार खिलाई जाती है जिससे बच्चों में खून की कमी दूर होती है और उनका मानसिक विकास ठीक तरह से होता है तथा उनकी शारीरिक क्षमता में वृद्धि होती है। इस अभिमुखीकरण कार्य में श्री सबरे अय्यूब जनपदीय समन्वयक, एवीडेन्स एक्शन लखनऊ द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

रक्तदान करके भव्य तरीके से मनाया वैंकटेश्वरा समूह का छब्बीसवां स्थापना दिवस

अमरोहाः– जनपद के राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित उत्तर भारत के अग्रणी शैक्षणिक समूह वैंकटेश्वरा का 26 वां स्थापना दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया गया जिसमे संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर वृहद रक्तदान शिविर एवं वृक्षारोपण हवन एवं यज्ञ द्वारा सभी देशवासियों के लिए सुख शांति एवं आरोग्य की कामना की इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने कहा कि ढाई दशक पहले भगवान वैंकटेश्वरा के नाम पर स्थापित शिक्षा का यह नन्हा पौधा आज आम जनमानस, छात्र-छात्राओं, अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए ना सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि उत्तर भारत में उच्च तकनीकी एवं चिकित्सा शिक्षा का एक ₹वट वृक्ष₹ बन गया है हम अपने यहाँ अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओं को नवाचार, शोध अनुसंधान एवं संस्कारयुक्त उत्कृष्ट शिक्षा के बल पर एक शानदार सुरक्षित कैरियर देने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

-वैंकटेश्वरा समूह के 26 वें स्थापना दिवस पर आयोजित ₹वृहद रक्तदान₹ शिविर, वृक्षारोपण यज्ञ हवन भण्डारा एवं सांस्कृतिक उत्सव का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, सीईओ अजय श्रीवास्तव, कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. आई.बी.राजू आदि ने रक्तदान शिविर का फीता काटकर एवं सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

-अपने सम्बोधन में समूह चेयरमैन/संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने कहा कि मै हमेशा उन अभिभावकों का ऋणी रहूँगा जिन्होंने मेरे उपर विश्वास जताते हुए अपने बच्चों को वैंकटेश्वरा में शिक्षा ग्रहण करने का निर्णय लिया है हम अपने यहा अध्ययनरत सभी स्टूडेंट्स एवं अभिभावकों को आश्वस्त करते है कि संसाधनों एवं तकनीक के बेहतर सदुपयोग से अपने छात्र-छात्राओं को एक प्रभावी मंच देने का काम करेंगे, ताकि वो राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार तरीके से वैंकटेश्वरा एवं अपने देश का प्रतिनिधित्व कर सके।

प्रेशर कम होने से पलटे डिब्बे, रेल लाइन क्षतिग्रस्त...केमिकल का रिसाव होने पर मची अफरा-तफरी

केमिकल का रिसाव होने पर मची अफरा-तफरी रेल ट्रैक पर मालगाड़ी डिरेल होने के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। दो कंटेनरों से केमिकल का रिसाव हो गया। इसके चलते आसपास के लोगों में भगदड़ मच गई। पलटे हुए डिब्बों को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी थी। मौके और पहुंची पुलिस व रेलवे कर्मियों ने भीड़ को वहां से खदेड़ा और राहत का कार्य शुरूकिया। उधर, हादसे के बाद तेज धमाके की आवाज सुनकर लोग सहम गए।

अमरोहा। अमरोहा-काफूरपुर स्टेशनों के बीच एक कैंटेनर मालगाड़ी के डिब्बे रेल ट्रैक से उतरकर पलट गए। मालगाड़ी का प्रेशर कम होने से यह हादसा हुआ। रेल लाइन क्षतिग्रस्त होने से लखनऊ-दिल्ली मार्ग पर ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो गया। कई ट्रेनों ने स्टेशनों पर रोकनी पड़ी। देर रात तक इस रेल मार्ग पर ट्रेनों का संचालन शुरू नहीं हो सका। हालांकि रेलवे के कर्मचारी कार्य में जुटे हुए थे। सूचना के बाद डीआरएम मुरादाबाद घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटना के संबंध में जानकारी ली।

डीआरएम मुरादाबाद राजकुमार सिंह के अनुसार, गोंडा के बाद शनिवार शाम सात अमरोहा में रेल हादसा हुआ। दरअसल, गोंडा कचहरी से चलकर मालगाड़ी गाजियाबाद जा रही थी। इस दौरान जैसे ही वह अमरोहा रेलवे स्टेशन से आगे बढ़ी तो प्रेशर डाउन होने के चलते मालगाड़ी बेपटरी हो गई। इससे मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए। इससे रेल ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना के बाद पुलिस व रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि बेपटरी हुए कंटेनरों से केमिकल रिसाव होने के चलते आसपास के लोगों को ट्रैक से हटाया गया।

इससे पहले ही दिल्ली से मुरादाबाद की ओर जाने वाली काठगोदाम एक्सप्रेस व दिल्ली से मुरादाबाद की ओर जाने वाली सद्भावना एक्सप्रेस भी इस ट्रैक से होकर गुजरीं थीं। गनीमत रही कि मालगाड़ी इन यात्री ट्रेनों के गुजरने के बाद ही डिरेल हुई। देर रात तक रेलवे कर्मचारी राहत एवं बचाव कार्य में जुटे थे। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि लोको पायलट इकबाल प्रसाद के मुताबिक, मालगाड़ी का प्रेशर कम होने की वजह से हादसा हुआ। उधर, अमरोहा से दिल्ली की ओर जाने वाले रेलवे ट्रैक पर सद्भावना एक्सप्रेस डाउन लाइन पर जा रही थी। कुछ देर पहले सद्भावना एक्सप्रेस यहां से गुजरी थी। केमिकल का रिसाव होने पर मची अफरा-तफरी

रेल ट्रैक पर मालगाड़ी डिरेल होने के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। दो कंटेनरों से केमिकल का रिसाव हो गया। इसके चलते आसपास के लोगों में भगदड़ मच गई। पलटे हुए डिब्बों को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी थी। मौके और पहुंची पुलिस व रेलवे कर्मियों ने भीड़ को वहां से खदेड़ा और राहत का कार्य शुरू किया। उधर, हादसे के बाद तेज धमाके की आवाज सुनकर लोग सहम गए।

विकासखंड स्तरीय कृषि निवेश मेलें एवं जनपद स्तरीय खरीफ गोष्ठी का आयोजन

अमरोहाः– जनपद के विकास भवन में कृषि विभाग, जनपद अमरोहा द्वारा कृषि सूचना तंत्र का सुदृढ़िकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम अर्न्तगत विकासखंड स्तरीय कृषि निवेश मेलें एवं जनपद स्तरीय खरीफ गोष्ठी का आयोजन किया।

इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, उदयगिरी गोस्वामी जी द्वारा की गयी। कार्यक्रम में अश्वनी मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी, अमरोहा, डॉक्टर राम प्रवेश, उप कृषि निदेशक, अमरोहा एवं बबलू कुमार, जिला कृषि अधिकारी, अमरोहा, ए.के.मिश्रा, प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र, गजरौला एवं अन्य कृषि वैज्ञानिक तथा अन्य जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम में जनपद के लगभग 500 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

गोष्ठी के माध्यम से कृषकों को प्राकृतिक खेती किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी, अमरोहा द्वारा उपस्थित कृषकों को वर्तमान में रासायनिक खेती एवं कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से होने वालें नुकसान के संबंध में कृषकों कों बताया गया तथा कृषकों से अपील की गयी कि सभी कृषक संतुलित उर्वरक/ कीटनाशकों का कम से कम प्रयोग करें तथा अपनी खेती के कम से कम एक हिस्से में प्राकृतिक खेती अवश्यक प्रारम्भ करें। माननीय जिला अध्यक्ष जी द्वारा भी कृषकों से प्राकृतिक खेती प्रारम्भ किये जाने की अपील की गयी तथा कीटनाशाकों/रसायनिक खादों से भूमि तथा जलवायु में हाने वालें नुकसान के संबंध में कृषकों को अवगत कराया गया। गाय तथा गौवंश की गोबर इत्यादि से तैयार किये जाने वालें कीटनाशकों तथा खाद को अपनातें हुए खेती करनें की सलाह दी। जिससे कि रसायनों के उपयोग के कारण होने वाली विभिन्न बीमारियों से बचा जा सकें।

कृषक गोष्ठी के माध्यम सें डॉ0 ए0के0मिश्रा, प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र, अमरोहा द्वारा खरीफ मे होनें वाली विभिन्न फसलों में कीट रोकथाम तथा संतुलित उर्वरक प्रयोग के संबंध में संक्षेप मे प्रकाश डाला। कृषक गोष्ठी में डॉ0 राम प्रवेश, उप कृषि निदेशक, अमरोहा नें कृषि विभाग द्वारा विभिन्न योजनान्तर्गत देय लाभों पर प्रकाश डाला गया तथा कृषकों द्वारा योजनाओं का लाभ किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है, इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। उक्त के साथ-साथ मत्स्य पालन, पशुपालन, गन्ना एवं अन्य कृषि से संबंधित विभागों द्वारा अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी गोष्ठी के माध्यम सें कृषकों को प्रदान की गयी।

कार्यक्रम स्थल पर कृषि विभाग, गन्ना विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, के साथ- साथ विभिन्न एफपीओं द्वारा अपने-अपने स्टॉल प्रदर्शनी में लगातें हुए कृषकों को उन्नत खेती की तकनीकि के संबंध में जानकारी साझा की गयी।

एआरटीओ कार्यालय पर डीएम–एसपी ने की छापेमारी

संभल : दलाली की शिकायतों को लेकर डीएम और एसपी ने शनिवार को संभल में एआरटीओ कार्यालय पर छापेमारी की। जिससे हड़कंप मच गया। आला अधिकारियों ने मौके पर कुछ लोगों को पकड़ा, जबकि आधा दर्जन लोगों के नाम भी सामने आए। जिनके बारे में जांच पड़ताल शुरू करा दी गई।जिलाधिकारी ने कहा कि जांच पड़ताल के बाद कार्रवाई की जाएगी। एआरटीओ कार्यालय के बाद आला अधिकारियों ने रजिस्ट्री कार्यालय पर भी छापा मारा। जहां मौजूद लोगों के बारे में जानकारी करने के निर्देश पुलिस कर्मियों को दिए।

शासन के निर्देश हैं कि सरकारी कार्यालयों में किसी भी प्रकार की दलाली न होने पाए। एआरटीओ कार्यालय में भी लाइसेंस प्रक्रिया को फेसलेस कर दिया गया है, जबकि बाकी कार्य ऑनलाइन होने की व्यवस्था है। फिर भी शिकायतें मिल रही थी कि कुछ दलाल लोगों को लाकर अपने माध्यम से काम करते हैं। शनिवार को दोपहर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया, पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह गुनावत अचानक एआरटीओ

आला अधिकारियों ने मौके पर कुछ लोगों को पकड़ा, जबकि आधा दर्जन लोगों के नाम भी सामने आए

कार्यालय पहुंचे और छापेमारी की। अधिकारियों को देखकर लोग भागने लगे तो पुलिस कर्मियों ने दौड़कर कुछ लोगों को पकड़ लिया।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कार्यालय परिसर में घूम रहे लोगों से भी पूछताछ की। इतना ही नहीं, कार्यालय के अंदर सिस्टम पर जाकर भी जांच पड़ताल की गई। करीब आधे घंटे की जांच पड़ताल के बाद कुछ लोगों के नाम भी सामने आए। जिनके बारे में जांच पड़ताल शुरू करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जांच पड़ताल के बाद कार्रवाई की जाएगी। एआरटीओ कार्यालय के बाद आला अधिकारियों ने रजिस्ट्री कार्यालय पर भी छापा मारा। जहां मौजूद लोगों के बारे में जानकारी करने के निर्देश पुलिस कर्मियों को दिए। इस दौरान एडीएम प्रदीप वर्मा, एसडीएम विनय कुमार मिश्र, सीओ अनुज कुमार चौधरी आदि रहे।

संभलः तांत्रिक ने हवन कर जीजा–साली को किया बेहोश, 50 हजार लेकर भागा

संभल/रजपुरा। रजपुरा थाना क्षेत्र में अंधविश्वास के चलते ठगी का मामला सामने आया है। तांत्रिक ने बीमारी ठीक करने का भरोसा दिलाकर घर में हवन कराते हुए जीजा–साली को बेहोश कर दिया और 50 हजार रुपये लेकर भाग गया। मामले में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

थाना क्षेत्र के गांव जहानपुर निवासी प्रताप सिंह पुत्र बादाम सिंह ने थाने में तहरीर देकर कहा कि उसके बेटे हरिओम की साली रिंकी पुत्री पप्पू निवासी गांव दूधमा थाना जरीफनगर करीब 15 दिन से उसके घर पर रह रही है। रिंकी को हिचकियां आती थीं। रिंकी को इधर–उधर से दवा दिलाई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ तो एक तांत्रिक से मुलाकात हुई। तांत्रिक ने रिंकी को पानी पढ़कर दे दिया तो उसकी तबीयत ठीक हो गई। इसके बाद तांत्रिक ने हवन करने की बात कही और गांव जहानपुर में उसके घर पर हवन का

सामान लेकर आ गया। तांत्रिक ने हवन शुरू किया। उसने हरिओम व रिंकी को बैठा लिया।

तांत्रिक ने हरिओम से 50 हजार रुपये निकलवा कर हवन में रखवा लिए। कुछ देर हवन चला। जिसके बाद हरिओम और रिंकी बेहोश हो गए जबकि तांत्रिक 50 हजार रुपये लेकर भाग गया। प्रताप सिंह ने पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई। वहीं उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

डग्गामारी रोकने के लिए डीएम ने गठित की टीम, लिंक रोड तक चलेगा चेकिंग अभियान

बहजोई। जनपद में डग्गामार वाहनों पर नकेल कसने को लेकर अब अफसरों की टीम दिन–रात दौड़ेंगी। इन टीमों में पुलिस से लेकर प्रशासनिक व परिवहन विभाग के अधिकारियों को शामिल किया गया है। डीएम ने इन्हें डग्गामार वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। हाईवे से लेकर लिंक रोड तक चेकिंग अभियान चलाने की तैयारी है।

जनपद में बड़े पैमाने पर राजस्थान, दिल्ली, अलीगढ़, मुरादाबाद, चंदौसी, बबराला, संभल से डग्गामार वाहनों का संचालन हो रहा है। जबकि रोडवेज की बसों को सवारियों के टोटा हैं जिससे राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा है। डग्गामार वाहन दिल्ली व राजस्थान के जयपुर के लिए भी वाहन संचालित करते हैं। दिन में संभल, चंदौसी, बबराला से हाईवे पर डग्गामार वाहन दौड़ते रहते हैं। अब इन पर नकेल कसने के लिए डीएम राजेंद्र पैंसिया ने कड़ा रुख अपनाया है। अब इन वाहनों पर कार्रवाई करने को लेकर दिन रात अफसरों की टीम दौड़ेंगी।

इन टीमों में एआरटीओ, ,प्रशासन व पुलिस अधिकारी शामिल होंगे।बहजोई। डग्गामार वाहनों पर नकल करने के लिए जहां कार्रवाई की जा रही है तो वहीं अब परिवहन विभाग, प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस अधिकारियों की टीम आठ–आठ घंटे की शिफ्ट में चौबीस घंटे मुस्तैद रहकर डग्गामार वाहनों पर रोक लगाने के लिए काम करेंगी। बहजोई डीएम ने बताया कि ऐसा पता चला है कि जब से हाईवे पर चेकिंग चली है तब से वाहनों को लिंक रोड से होकर निकाला जा रहा है। अब टीमों को निर्देश दिए गए हैं कि हाईवे पर तो वह चेकिंग करेंगे ही लेकिन जिन लिंक मार्गों से होकर डग्गामार चल रहे हैं। उन मार्गों पर भी चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

बिना परमिट के कोई भी वहां नहीं चलेगा। ऐसे वाहनों पर कड़ी कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए हैं। डग्गामार वाहनों को नकल करने के लिए दिन रात्रि में काम करेंगे। हाईवे से लेकर लिंक मार्ग तक चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए टीम बनाई जा रही है।

संक्षेप खबरें

मुरादाबादः पेट्रोल से परचून की दुकान में लगी आग

मुरादाबाद। डिलारी थाना क्षेत्र के गांव मासूमपुर में शनिवार रात माचिस की तीली से मोमबत्ती जलाते समय पेट्रोल ने आग पकड़ ली। इससे परचून की दुकान में आग लग गई। इस दौरान आग की लपटों में घिरी महिला की झुलसकर मौत हो गई। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई, लेकिन परिजनों ने कोई कार्रवाई कराने से इनकार कर दिया।

बताया गया कि गांव मासूमपुर में दुकानदार मुन्नू सिंह का परिवार रहता है। घर में ही उनकी परचून की दुकान है। शनिवार रात आठ बजे बिजली नहीं आने से दुकान में अंधेरा था। इस बीच दुकानदार की पत्नी भगवती (60) ने रोशनी करने के लिए माचिस की तीली से मोमबत्ती जलाई तो दुकान में रखे पेट्रोल ने आग पकड़ ली। इससे दुकान में आग लग गई और तेज लपटें उठने लगीं। जिससे महिला दुकान में ही घिर गई। उसने अपनी जान बचाने का काफी प्रयास किया।

शोर मचाने पर परिजन और मोहल्ले वालों ने आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। जबकि आग बुझाने के दौरान कई ग्रामीणों के हाथ–पैर भी झुलस गए। साथ ही आग से दुकान में रखा सामान जलकर राख हो गया। आग की लपटों की चपेट में आने से महिला की जलकर मौके पर ही मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की, लेकिन उन्होंने कार्रवाई कराने ने इनकार कर दिया। थाना प्रभारी प्रदीप सहरावत ने बताया कि थाने में कोई शिकायत नहीं आई है।

तलाश गुमशुदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोमराज पुत्र श्री हरफूल सिंह निवासी ग्राम दूल्हेपुर अहीर थाना आमदपुर जनपद अमरोहा के दारा थाना आदमपुर पर सूचना दी गई कि आवेदक मोमराज उपरोक्त के पिता श्री हरफूल सिंह दिनांक 14.07.2024 को बिना बताये घर से कही चले गये मेरे पिता श्री हरफूल सिंह पुत्र श्री भोला मानसिक स्थीत ठीक नहीं है। इस संबंध में थाना आदमपुर पर दिनांक 22.07.2024 को जीडी नं. 39 समय 09:31 बजे पर गुमशुदगी दर्ज है। जिसका अभी तक की पता नहीं चल सका है। यदि किसी को जानकारी हो कृपया निम्नलिखित मोबाइल नं.पर सूचित करने का कश्ट करें। सूचना देने वाले को उचित पुरूश्कार दिया जायेगा।

हुलिया गुमशुदाः– रंग गैहुआ, इकहरा बदन लम्बाई करीब 5 फूट 5ईच, चेहारा गोल, ऑख, नाक, कान, औसत।
पहनावा– सफेद रंग का कुर्ता, धोती व कन्धे पर अंगूछा, पैर में हवाई चप्पल

आवेदक	जांच कर्ता	थानाध्यक्ष
मोमराज पुत्र हरफूल नि.ग्रा. दूल्हेपुर अहीर जनपद अमरोहा	उ.नि. चॉदवीर सिंह थाना आदमपुर जिला अमरोहा	थाना आदमपुर जनपद अमरोहा
M.8430444567 M.7248373090	M.7290866469	M.9058296190

उत्तर प्रदेश दुग्ध विकास में देश में नंबर–1:धर्मपाल सिंह

मुरादाबाद। प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि इस बार का बजट ऐतिहासिक है। भारत में किसानों को सम्मान निधि का लाभ दिया जाता है। भारत कृषि प्रधान देश है। 60,000 करोड़ रुपये सरकार ने बजट में किसान सम्मान निधि के लिए दिया है। आयुष्मान भारत योजना के लिए 60300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश दुग्ध विकास में देश में नंबर एक है। कई योजनाओं के लिए सरकार अनुदान दे रही है। वह सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य योजना को प्रोत्साहित किया गया है। सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया है। नारी सशक्तिकरण के लिए विशेष प्रावधान बजट में किया गया है। अब भारत कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर तो है ही दूसरे देशों को भी मदद मिलती है। केंद्रीय बजट में 12 नए औद्योगिक पार्क बनाने की बात कहीं गई है। इसका सबसे बड़ा लाभ उत्तर प्रदेश को मिलने की उम्मीद है। प्रदेश में दो से तीन नए इंडस्ट्रियल पार्क और पीएम सूर्य योजना के तहत उत्तर प्रदेश की 20 लाख परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्होंने विपक्ष पर जनता के मुद्दों से पीछे हटने का आरोप लगाया है।

इस दौरान राज्य मंत्री जेपीएस राठौर, राज्य मंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास विभाग जसवंत सिंह सैनी, शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी, राजेश यादव जिला प्रभारी भाजपा, आकाश पाल जिलाध्यक्ष भाजपा, महापौर विनोद अग्रवाल आदि मौजूद रहे। प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनीतिक पेंशन मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था प्रजातंत्र की नर्सरी है।

अपहरण कर ले जा रहे युवक की कार दुर्घटनाग्रस्त

पाकबड़ा (मुरादाबाद)। प्रधानाध्यापिका का अपहरण कर ले जा रहे युवक की कार अचानक ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकरा कर क्षतिग्रस्त हो गई। जिस पर युवक कार मौके पर ही छोड़कर भाग निकला। हादसे में प्रधानाध्यापिका मामूली रूप से घायल हो गई। बाद में सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मझोला थाना पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी अपहरणकर्ता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना क्षेत्र मझोला स्थित हाईवे पर रामपुर से दिल्ली की ओर जाने वाली दिशा में जीरो प्वाइंट पाकबड़ा पुल पर तेज रफ्तार से आ रही कार ट्रैक्टर–ट्रॉली से जा टकराई। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई। ट्रैक्टर–ट्रॉली लेकर कर्मचारी हाईवे की सफाई कर रहे थे। कार के टकराने के बाद चालक उसमें बैठी प्रधानाध्यापिका का पर्स लेकर मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने महिला को कार से बाहर निकाला। रीना श्रीवास्तव पत्नी स्वर्गीय शैलेश कुमार श्रीवास्तव निवासी 160 सदर बाजार जिला शाहजहांपुर ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे मैं अपने स्कूल बाडूरेई प्राथमिक विद्यालय गई थी। जहां मैं प्रधानाध्यापिका के पद पर कार्यरत हूं। मेरा जमीन का बटाईदार हरमंजीत सिंह पुत्र कश्मीर सिंह निवासी सिंधौली जिला शाहजहांपुर ने फोन कर कहा कि जमीन के संबंध में कागज पर उनके साइन चाहिए। वह तहसीलदार के आवास पर ही हो जाएंगे। यह कहकर उसने मुझे बुलाकर गाड़ी में बिठा लिया। उसके बाद उसने गाड़ी लॉक कर दी और मेरा मोबाइल फोन छीन लिया।

इसी प्रयास में उसकी गाड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली में जा टकराई। गाड़ी टकराते ही वह मेरा पर्स लेकर गाड़ी से भाग निकला। वह मुझे लेकर कहां जा रहा था मुझे इसकी जानकारी नहीं है।

ग्राम पंचायत दयावली खालसा विकासखंड हसनपुर जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा.पं./विकास कार्य/निविदा कुटेशन/2024–25 दिनांक – 29.08.2024

अल्पकालीन निविदा–कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओं को एतद् द्वारा सुचित किया जाता है के ग्राम पंचायत दयावली खालसा, वि. ख. हसनपुर, जनपद अमरोहा, में वित्तिय वर्ष 2024–25 हेतु ग्राम पंचायत के द्वारा अनुमोदित ग्राम पंचायत विकास योजना वित्तिय वर्ष 2024–25 के अनुसार पंचम राज्य वित्त आयोग पन्द्रहवां वित्त आयोग, मनरेगा एवं अन्य शासनीय मदों के अर्न्तगत निर्माण कार्य कराये जाने हेतू निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्चकोटि की सामग्री निर्माण स्थलों पर आपूर्ति करने हेतू मोहरबन्द निविदायें/कुटेशन आमत्रिंत की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 29/07/2024 से 02/08/2024 तक कार्यालय दिवस में दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखें बॉक्स में सीलबंद निविदा/कुटेशनदरे सहित जमा कर सकते है। जो कि दिनांक 03/08/2024 को अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 02 बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर की जायेगी, जो समय–समय पर प्राप्त आवटिंत धनराशि पर आधारित है आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान/पंचायत सचिव के आदेष पर की जायेगी। सामग्री की मात्र घटाई–बढ़ाई जा सकती है।सामग्री की आपूर्ति ग्रम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी के स्वीकृती के उपारंत किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता की जी0एस0टी रजिस्टेशन संबन्धित विभाग में होना अनिवार्य है प्रस्तुत दरें पी0डब्लू0डी0 की दरो की अनुरूप गुणवत्ता एवं मानक अनुरूप हो। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशनुसार निर्धारत समय–सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की ग्रणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेंगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने की अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क.स.	सामग्री का नाम	मात्रा	दर
1	सीमेंट	प्रति बैग	
2	बालू रेत	घन मी0	
3	बजरफुट	घन मी0	
4	20 एम.एम बजरी	घन मी0	
5	40 एम.एम. बजरी	घन मी0	
6	ईट प्रथम श्रेणी एम–150	प्रति हजार	
7	ईट बालदार एम–275	प्रति हजार	
8	सी.सी. इंटरलॉकिंग टाईल्स 80 एम.एम. सफेद	प्रति नग (1)	
9	सी.सी. इंटरलॉकिंग टाईल्स 80 एम.एम. रंगीन	प्रति नग (1)	
10	दीवार टाईल्स	प्रति वर्ग मी0	
11	फर्श टाईल्स	प्रति वर्ग मी0	
12	सरिया	प्रति कुंदल	
13	लोहे का जाल	प्रति कुंदल	
14	मिट्टी–दूरी सहित	प्रति घन मी0	
15	लोकल रेत	प्रति घन मी0	
16	वाल पेन्टिंग	प्रति वर्ग मी0	
17	दीवार पुताई/समोसम 2 कोट	प्रति वर्ग मी0	
18	इडिया मार्का हैडपम्प नसर/रिवोर	प्रति नग	
19	सैनेटी सामग्री	प्रति नग	
20	बिजली उपकरण	प्रति नग	
21	लोहे का फेन्सिंग तार	प्रति किग्रा.	
22	आयरन एगिल	प्रति किग्रा.	
23	हैडपम्प रिवोर/नया/मरम्मत उपकरण	नग/फिट	

सचिव
ग्राम पंचायत–दयावली खालसा
वि.ख. हसनपुर, जनपद अमरोहा

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–दयावली खालसा
वि.ख. हसनपुर, जनपद अमरोहा

ग्राम पंचायत कैलसा विकासखंड जोया जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा.पं./विकास कार्य/निविदा कुटेशन/2024–25 दिनांक – 29.07.2024

अल्पकालीन निविदा–कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओं को एतद् द्वारा सुचित किया जाता है के ग्राम पंचायत कैलसा, वि.ख. जोया , जनपद अमरोहा, में वित्तिय वर्ष 2024–25 हेतू ग्राम पंचायत के द्वारा अनुमोदित ग्राम पंचायत विकास योजना वित्तिय वर्ष 2024–25 के अनुसार पंचम राज्य वित्त आयोग पन्द्रहवां वित्त आयोग, मनरेगा एवं अन्य शासनीय मदों के अर्न्तगत निर्माण कार्य कराये जाने हेतू निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्चकोटि की सामग्री निर्माण स्थलों पर आपूर्ति करने हेतू मोहरबन्द निविदायें/कुटेशन आमत्रिंत की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 29/07/2024 से 02/08/2024 तक कार्यालय दिवस में दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखें बॉक्स में सीलबंद निविदा/कुटेशनदरे सहित जमा कर सकते है। जो कि दिनांक 03/08/2024 को अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 02 बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर की जायेगी, जो समय–समय पर प्राप्त आवटिंत धनराशि पर आधारित है आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान/पंचायत सचिव के आदेष पर की जायेगी। सामग्री की मात्र घटाई–बढ़ाई जा सकती है।सामग्री की आपूर्ति ग्रम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी के स्वीकृती के उपारंत किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता की जी0एस0टी रजिस्टेशन संबन्धित विभाग में होना अनिवार्य है प्रस्तुत दरें पी0डब्लू0डी0 की दरो की अनुरूप गुणवत्ता एवं मानक अनुरूप हो। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशनुसार निर्धारत समय–सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की ग्रणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेंगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने की अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क.स.	सामग्री का नाम	मात्रा	दर
1	सीमेंट	प्रति बैग	
2	बालू रेत	घन मी0	
3	बजरफुट	घन मी0	
4	20 एम.एम बजरी	घन मी0	
5	40 एम.एम. बजरी	घन मी0	
6	ईट प्रथम श्रेणी एम–150	प्रति हजार	
7	ईट बालदार एम–275	प्रति हजार	
8	सी.सी. इंटरलॉकिंग टाईल्स 80 एम.एम. सफेद	प्रति नग (1)	
9	सी.सी. इंटरलॉकिंग टाईल्स 80 एम.एम. रंगीन	प्रति नग (1)	
10	दीवार टाईल्स	प्रति वर्ग मी0	
11	फर्श टाईल्स	प्रति वर्ग मी0	
12	सरिया	प्रति कुंदल	
13	लोहे का जाल	प्रति कुंदल	
14	मिट्टी–दूरी सहित	प्रति घन मी0	
15	लोकल रेत	प्रति घन मी0	
16	वाल पेन्टिंग	प्रति वर्ग मी0	
17	दीवार पुताई/समोसम 2 कोट	प्रति वर्ग मी0	
18	इडिया मार्का हैडपम्प नसर/रिवोर	प्रति नग	
19	सैनेटी सामग्री	प्रति नग	
20	बिजली उपकरण	प्रति नग	
21	लोहे का फेन्सिंग तार	प्रति किग्रा.	
22	आयरन एगिल	प्रति किग्रा.	
23	हैडपम्प रिवोर/नया/मरम्मत उपकरण	नग/फिट	

सचिव
ग्राम पंचायत–कैलसा
वि.ख. जोया , जनपद अमरोहा

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–कैलसा
वि.ख.जोया , जनपद अमरोहा

मुरादाबादः पिता कहते थे अपनी संपत्ति पोते को दे दूंगा

मुरादाबाद/कांठ,। कांठ थाना क्षेत्र के मोहल्ला नई बस्ती ईदगाह निवासी पांच वर्षीय बच्चे की हत्या उसके सगे चाचा जीशान ने संपत्ति के लालच में की थी। एसपी देहात ने रविवार को इस वारदात का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि आरोपी का पिता उसे यह कहकर धमकाता था कि मैं सारी संपत्ति अपने पोते के नाम कर दूंगा। इसी कारण आरोपी ने हत्या कर दी। आरोपी ने बताया कि बच्चे को बहाने से खेत पर ले जाकर पहले उसका गला दबाया और फिर ब्लेड से गला काटकर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्यारोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

थाना कांठ के मोहल्ला नई बस्ती ईदगाह निवासी बैंडेज कारोबारी नसीमुद्दीन उर्फ भूरे का पांच वर्षीय इकलौता बेटा अबूजर नर्सरी का छात्र था। बीते 25 जुलाई को वह घर के पास से लापता हो गया था। शनिवार को डॉग स्क्वायड की मदद से पुलिस ने बच्चे का शव उसके घर से कुछ दूरी पर स्थित गन्ने के खेत से बरामद किया था। पोस्टमार्टम में उसकी हत्या की पुष्टि हुई थी। रविवार को एसपी देहात संदीप कुमार मीणा और सीओ कांठ अपेक्षा निंबाड़िया ने पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता कर हत्याकांड का खुलासा किया।

एसपी देहात ने बताया कि इस मामले में जांच पड़ताल के बाद एसएचओ कांठ योगेंद्र कुमार सिंह की टीम ने अबूजर के चाचा मोहम्मद जीशान को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी जीशान ने बताया

कि उसके पिता अलीमुद्दीन और भाई नसीमुद्दीन उर्फ भूरा नशे की लत के कारण उसके साथ मारपीट करते थे। बात–बात पर टोकाटाकी करते थे। यह भी बताया कि पिता अलीमुद्दीन बार–बार कहते थे कि मैं अपनी पूरी संपत्ति पोते अबूजर के नाम कर दूंगा, तुम लोगों को कुछ नहीं दूंगा। इसी कारण उसने भतीजे अबूजर को मारने का फैसला कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी जीशान ने योजनाबद्ध तरीके से 25 जुलाई को अपने भतीजे अबूजर को बहला फुसला कर गन्ने के खेत में ले गया। घर से निकलने से पहले उसने घर की बिजली सप्लाई बंद कर दी थी जिससे बिजली कटने से सीसीटीवी कैमरे बंद हो जाएं और उसे अबूजर को ले जाते हुए कोई देख न सके। गन्ने के खेत में ले जाकर आरोपी ने पहले बच्चे का गला दबाया और जब वह अचेत हो गया तो जेब से ब्लेड निकाल कर उसका गला काट दिया, जिससे मौके पर ही मौत हो गई। एसपी देहात ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने कहा कि वह नशे का आदी हो गया था। अपने परिवार वालों को सबक सिखाने और उनके तानों का बदला लेने के लिए उसने भतीजे की हत्या करने की बात स्वीकार की। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त ब्लेड, घटनास्थल से आरोपी के बाल और उसके शर्ट का टूटा हुआ एक बटन भी बरामद किया है।

सीओ कांठ अपेक्षा निंबाड़िया ने बताया कि बच्चे की तलाश में पुलिस टीमें पूरे गांव और आसपास तलाश कर रही थी, लेकिन कुछ पता नहीं चला। सीसीटीवी कैमरे में भी कुछ नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में एसपी देहात संदीप कुमार मीणा ने दो दिन खोजने के बाद शनिवार को डॉग स्क्वायड की टीम को बुला लिया। टीम में शामिल ट्रैकर डॉग दमन को बच्चे का पहना हुआ बिना धुला कपड़ा सुंघाया गया। जिसके बाद दमन खेत की ओर चल दिया, जो मां और परिजनों द्वारा बताए गए दिशा से ठीक उल्टा था। लेकिन, डॉग दमन पर भरोसा करके पुलिस टीम भी उसके पीछे चल दी। बाद में दमन गन्ने के खेत के पास जाकर रुक गया। घटना स्थल पर सूंघने के बाद डॉग दमन लौटा और बच्चे के चाचा जीशान के आसपास ही मंडराने लगा। जिसके बाद पुलिस ने जीशान को हिरासत में ले लिया।

हाईटेंशन तार की चपेट में आए 22 कांवड़िए, एक की मौत

हरदोई : उत्तर प्रदेश और हरियाणा में हुई दो अलग-अलग घटनाओं में कुल 22 कांवड़िए हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। इन घटनाओं में एक कांवड़िए की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है। हरदोई में कांवड़ियों ने कछौना क्षेत्र के खाजोहना से जलाभिषेक शुरू किया था। वह मेहंदी घाट की तरफ जा रहे थे। शिव की भक्ति में डूबे कांवड़िए डीजे बजाकर झूमते हुए जा रहे थे। इसी दौरान जिस पिकअप पर डीजे लगा हुआ था, उस पिकअप के ऊपरी हिस्से में लगा पाइप हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया।

हरदोई में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से आठ कांवड़िए झुलस गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों का इलाज जारी है। वहीं, हरियाणा के फरीदाबाद में 14 कांवड़िए हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गए। इनमें से एक की मौत हो गई और 13 अन्य झुलग गए।फरीदाबाद में भी डीजे की वजह से हादसा

हरियाणा के फरीदाबाद में एक कैंटर-ट्रक पर सवार थे और यह ट्रक हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि मृतक की पहचान तिगांव निवासी नितिन(20) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गांव के लगभग 14 युवक डाक कांवड़ लेने के लिए हरिद्वार जाने की तैयारी कर रहे थे जिसके लिए वे एक कैंटर-ट्रक में बल्लभगढ़ से तेज आवाज वाले वाद्य यंत्र लगवाकर तिगांव आ रहे थे। प्रवक्ता के मुताबिक, नवादा स्थित शिव कॉलेज के पास कैंटर-ट्रक हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया और उसमें बैठे लगभग 14 कांवड़यि बुरी तरह झुलस गए।

गांव के लगभग 14 युवक डाक कांवड़ लेने के लिए हरिद्वार जाने की तैयारी कर रहे थे जिसके लिए वे एक कैंटर-ट्रक में बल्लभगढ़ से तेज आवाज वाले वाद्य यंत्र लगवाकर तिगांव आ रहे थे। प्रवक्ता के मुताबिक, नवादा स्थित शिव कॉलेज के पास कैंटर-ट्रक हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया और उसमें बैठे लगभग 14 कांवड़यि बुरी तरह झुलस गए।

उन्होंने बताया कि सभी घायलों को तिगांव के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन नितिन की गंभीर हालत को देखते हुए उसे दूसरे निजी अस्पताल रेफर किया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

स्थानीय निवासी जयप्रकाश ने बताया कि बिजली के तार काफी नीचे हैं जिसकी शिकायत गांव के सरपंच ने बिजली विभाग को की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

संक्षेप खबरें

किसान संगठनों का बड़ा ऐलान, करेंगे केंद्र सरकार के खिलाफ फिर से आंदोलन

चंडीगढ़: देश के किसानों ने एक बार फिर सभी फसलों पर एमएसपी गारंटी कानून के साथ कई अन्य मांगों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आज किसान संगठनों ने दिल्ली में बड़ा ऐलान किया है। दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में किसान मजदूर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा शामिल हुआ। इस सम्मेलन में किसान संगठनों ने तय किया कि 1 अगस्त को पूरे देश में केंद्र सरकार की अर्थी जलाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। साथ ही क्रिमनल लॉ की प्रतियां भी जलाई जाएंगी। साथ ही देश के हर जिले के हेडक्वार्टर पर सभी किसान आंदोलन करेंगे। वहीं, आगे बताया गया कि 15 अगस्त को पूरे भारत में ट्रैक्टर मार्च किया जाएगा।

जम्मू कश्मीर से आतंकियों के सफाए के लिए सेना का सबसे बड़ा अभियान

श्रीनगर: जम्मू-कश्मीर से आतंकियों के खात्मे के लिए भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस की रडॅ और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान इन दिनों कश्मीर में एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने में जुटे हैं। पिछले 21 सालों का ये अभी तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन है। दुर्गम पहाड़ियों और जंगलों में छिपे 55 पाकिस्तानी आतंकियों की सफ़ाई का प्लान तैयार हो चुका है।

सात हज़ार सैनिक इन आतंकियों को तलाश रहे हैं। इस अभियान में 3000 से ज़्यादा सैनिकों को और भेजा गया है जिसमें 500 पैरा कमांडोज भी है। इसी में 200 स्नाइपर्स भी है। जंगलों में 10,000 फीट से लेकर 15 हज़ार फ़ीट की हाइट पर खड़ी चढ़ाई पर ऑपरेशन जारी है। इन इलाकों में 500 से ज़्यादा गुफाएं हैं। सभी गुफाओं को एक-एक करके चेक किया जा रहा है। आतंकी अलग अलग 4-5 की ग्रुप में बंटे हुए हैं।

पिछले तीन सालों में 48 जवानों की शहादत का बदला लेने के लिए सुरक्षा बलों के जवान आतंकियों की तलाश में जंगल के चप्पे-चप्पे की तलाशी में जुट गए हैं। सेना के इस ऑपरेशन की रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय तक रक्षा मंत्री पहुंचा रहे हैं और नेशनल सिक्युरिटी एडवाइज़र की इस पर ख़ास नज़र है। आर्मी चीफ़ जनरल उपेंद्र द्विवेदी डेली बेसिस पर आर्मी कमांडर और सोलहवीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा से हर एक रिपोर्ट ले रहे हैं। बता दें कि जम्मू के इस इलाके में लाइन ऑफ़ कंट्रोल पुंछ से लेकर अखनूर तक आती है और फिर उसके बाद अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर शुरू होता है जिसकी निगरानी बॉर्डर सिक्योरिटी फ़ोर्स कर रही है।

प्रेमिका से मिलने गए प्रेमी के साथ बर्बरता, चारपाई से बांधकर पीटा

दौसा: जिले के राहुवास थाना क्षेत्र में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर देने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि प्रेम प्रसंग से नाराज युवती के परिजनों ने युवक की बेरहमी से पिटाई की। इस दौरान उन्होंने युवक को चारपाई से बांधकर उसे करंट भी लगाया। किसी ने इसकी सूचना युवक के परिजनों को दी, जिसके बाद युवक के परिजन भी मौके पर पहुंची। इसी बीच पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने गांव वालों के बीच से छुड़ाकर युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

15 किलोमीटर दूर था प्रेमिका का घर

पूरा मामला दौसा जिले के राहुवास थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। यहां जगनेर गांव में शुक्रवार की रात करीब 12 बजे एक युवक अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंचा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार झांपदा थाना क्षेत्र के प्रेमपुरा गांव के रहने वाले लल्लू प्रसाद (25) का तीन साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। शुक्रवार की रात को वह गांव से करीब 15 किलोमीटर दूर राहुवास थाना क्षेत्र के जगनेर गांव में युवती से मिलने आया था। यहां घर में घुसते ही युवती के परिजनों ने उसे पकड़ लिया और उसकी पिटाई करनी शुरू कर दी। इस दौरान युवती के नाराज परिजनों ने युवक को चारपाई से बांधकर उसके साथ बेरहमी से पिटाई की। इतना ही नहीं परिजनों ने बिजली के वायर से करंट भी लगाया, जिससे वह अधमरा हो गया।

मौत के बाद परिजनों ने किया हंगामा

इसी बीच सूचना पाकर युवक के परिजन भी मौके पर पहुंचे। लोगों की सूचना के बाद डिप्टी एसपी चारुल गुप्ता व राहुवास थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने गंभीर हालत में युवक को राहुवास उल्ठ में भर्ती कराया गया। रात भर इलाज के बाद शनिवार सुबह उसकी तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद उसे दौसा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां पर इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। वहीं शनिवार की दोपहर को युवक के परिजन और ग्रामीण राहुवास थाने के सामने पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने शव लेने से इनकार कर दिया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। पुलिस और प्रशासन के द्वारा चार घंटे की समझाइश के बाद युवक के परिजनों ने धरना समाप्त किया।

नीति आयोग की बैठक के बीच से निकलीं ममता बनर्जी

नई दिल्ली: पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज राजधानी दिल्ली में नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की बैठक हो रही है। इस बैठक में तमाम राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए हैं। वहीं इंडी गठबंधन के बायकॉट के बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी इस बैठक में शामिल हुईं। हालांकि ममता बनर्जी इस बैठक के बीच से ही निकल कर बाहर आ गई हैं। बाहर आने के बाद ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर भेदभाव करने के आरोप लगाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें सिर्फ 5 मिनट ही बोलने का समय दिया गया।

सिर्फ 5 मिनट बोलने की दी अनुमति

बैठक के बाहर आने के बाद ममता बनर्जी ने पत्रकारों से कहा, 'मैंने कहा कि आपको (केंद्र सरकार) राज्य सरकारों के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। मैं बोलना चाहती थी, लेकिन मुझे केवल 5 मिनट के लिए बोलने की अनुमति दी गई। मुझसे पहले के लोगों ने 10-20 मिनट तक बात की। विपक्ष से मैं अकेली थी जो इस बैठक में भाग ले रही थी, लेकिन फिर भी मुझे बोलने की अनुमति नहीं दी गई। यह अपमानजनक है।₹ वहीं, सरकार की तरफ से कहा गया है कि ममता बनर्जी का माइक बंद नहीं किया गया था, बल्कि उनके बोलने का वक्त खत्म हो गया था।

उन्होंने आगे कहा, ₹मैं बोल रही थी, तभी मेरा माइक बंद हो गया। मैंने कहा कि आपने मुझे क्यों रोका, आप भेदभाव क्यों कर रहे हैं। मैं बैठक में भाग ले रही हूं, आपको खुश होना चाहिए, इसके बजाय आप अपनी पार्टी, अपनी सरकार को और अधिक गुंजाइश दे रहे हैं। केवल मैं विपक्ष से हूं और आप मुझे बोलने से रोक रहे हैं। यह न केवल बंगाल का बल्कि सभी क्षेत्रीय दलों का भी अपमान है।"

इससे पहले ममता बनर्जी ने कहा था कि वह नीति आयोग की मीटिंग में बंगाल की प्रॉब्लम्स और जरूरतों को रखेंगी। अगर उनकी बात सुनी गई तो ठीक, नहीं तो वह मीटिंग बीच में ही छोड़कर बाहर निकल जाएंगी।

दिल्ली में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के सांसदों के साथ मीटिंग की फिर अरविंद केजरीवाल के घर जाकर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल से भी मिलीं। इसके बाद ममता ने कहा कि वह नीति आयोग की मीटिंग में जाएंगी जरूर लेकिन उनकी राय है कि नीति आयोग को भंग कर देना चाहिए क्योंकि इसके पास कोई अधिकार नहीं है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात झा का हुआ निधन, लंबे समय से चल रहे थे बीमार

नई दिल्ली: भाजपा के वरिष्ठ नेता और दो बार राज्यसभा सांसद रहे प्रभात झा का आज यानी 26 जुलाई 2024 को सुबह गुरुग्राम के एक अस्तपाल में निधन हो गया। बता दें कि प्रभात झा लंबे समय से बीमार चल रहे थे और गुरुग्राम में उनका इलाज चल रहा था। मगर आज यह दुखद समाचार आया कि उनका निधन हो गया। भाजपा सूत्रों के मुताबिक उनका अंतिम संस्कार बिहार में उनके पैतृक गांव में किया जाएगा। प्रभात झा के निधन के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दुख व्यक्त किया।

राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रभात झा के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट करते हुए लिखा, 'भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, वरिष्ठ नेता आदरणीय प्रभात झा जी के निधन का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। बाबा महाकाल दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को इस भीषण वज्रपात को सहने की शक्ति दें।' उन्होंने आगे लिखा, आपका निधन राजनैतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। ॐ शांति।केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी प्रभात झा के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा, 'भाजपा के वरिष्ठ नेता, मध्य प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, साथी श्री प्रभात झा जी के निधन का समाचार सुनकर स्तब्ध और दुःखी हूँ। लोक कल्याण और जनता के हित के लिये उन्होंने सदैव कार्य किया। उनका जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है।

दुनिया भर में तिरंगा लहराने का मौका : मोदी

नई दिल्ली: पीएम मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम के 112वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देश भर में चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों के तहत जनभागीदारी की चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी। पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी प्रसारित किया गया। मन की बात का प्रसारण ऑल इंडिया रेडियो (अक्क) के 500 से अधिक प्रसारण केंद्रों पर किया गया। वहीं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मन की बात कार्यक्रम को अलग-अलग जगहों पर सुना।

पीएम मोदी ने पेरिस ओलंपिक की बात करते हुए भारत के खिलाड़ियों को समर्थन देने की बात की। इसके साथ ही उन्होंने चीयर फॉर भारत का स्लोगन भी दिया। करते हुए उन्होंने इससे जुड़े छात्रों से फोन पर बात की और उनके अनुभवों को भी जाना। पीएम मोदी ने चराई देव मैदाम का जिक्रकरते हुए कहा कि असम के चराई देव मैदाम को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह नॉर्थ-ईस्ट की पहली साइट होगी। इसका खासियत बताते हुए उन्होंने इसका मतलब बताया। उन्होंने बताया कि चराई देव मैदाम का मतलब साइनिंग सिटी ऑन द हिल्स है। यह अहोम राज्य की राजधानी थी। 13वीं शताब्दी में शुरू हुआ ये साम्राज्य 19वीं शताब्दी तक रहा, ये बहुत बड़ी बात है। उन्होंने लोगों से अपील की कि आप भविष्य में इस साइट को अपनी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें। पीएम मोदी ने प्रोजेक्ट परी का भी जिक्रकिया। उन्होंने प्रोजेक्ट परी के बारे में बताते हुए कहा कि इसका मतलब 'पब्लिक आर्ट ऑफ इंडिया' है। प्रोजेक्ट परी, पब्लिक ऑर्ट के उभरते कलाकारों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रही है।

आवश्कता, नाम परिवर्तन, खोया-पाया, सार्वजनिक सूचना विज्ञापन कम दरों में

सब का सपना क्लासीफाइड के साथ लाखों तक पहुॅचाइये अपनी बात

अपना विज्ञापन बुक करवाने के लिये संपर्क करें
94568843327

बचपन में अखबार बेचते थे कलाम, पायलट बनने की थी इच्छा

नई दिल्ली: भारत के 11वें राष्ट्रपति और वैज्ञानिक रहे एपीजे अब्दुल कलाम का आज पुण्यतिथि है। डॉ कलाम का 27 जुलाई 2015 को क्क्ट शिलांग में लेक्चर देते समय दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उन्हें मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता था। उनका पूरा नाम अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम था।

डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उनके पिता का नाम जैनुलाब्दीन और मां का नाम आशियम्मा था। उनका बचपन काफी संघर्षों में बीता और उन्हें आर्थिक परेशानियों को दूर करने के लिए अखबार भी बांटना पड़ा। उनकी बचपन की पढ़ाई रामेश्वर में ही हुई। इसके बाद उन्होंने 1954 में त्रिची के सेंट जोसेफ कॉलेज से साइंस की डिग्री हासिल की। 1957 में उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की।

डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उनके पिता का नाम जैनुलाब्दीन और मां का नाम आशियम्मा था। उनका बचपन काफी संघर्षों में बीता और उन्हें आर्थिक परेशानियों को दूर करने के लिए अखबार भी बांटना पड़ा।

उनकी बचपन की पढ़ाई रामेश्वर में ही हुई। इसके बाद उन्होंने 1954 में त्रिची के सेंट जोसेफ कॉलेज से साइंस की डिग्री हासिल की। 1957 में उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। डॉ कलाम ने भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान (ऊक्छ्ड) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (करफ्ड) में भी काम किया। वह रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार रहे।पायलट बनना चाहते थे कलाम कलाम बचपन में पायलट बनना चाहते थे लेकिन ऐसा नहीं हो सका। फिर वह वैज्ञानिक बने और 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। वह हमेशा छात्रों को प्रेरित करते थे और बड़े सपने देखने के लिए कहते थे। डॉक्टर कलाम को 1981 में पद्म भूषण, 1990 में पद्म विभूषण और 1997 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

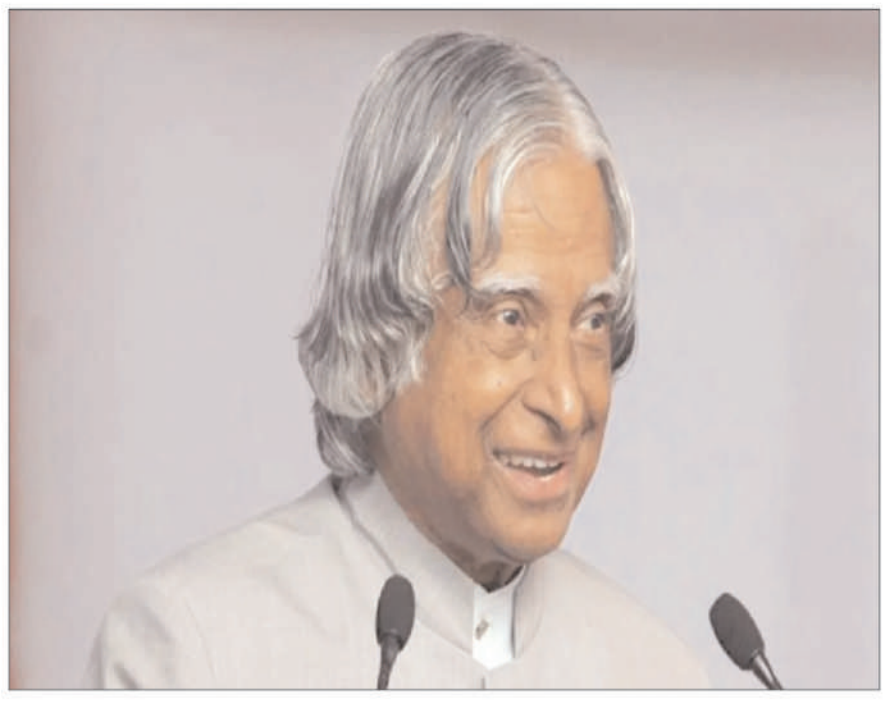

अपने संस्थान को दे नई तरक्की
एजुकेशन के विज्ञापन बुक करायें
विज्ञापन हेतु संपर्क करें-
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-94568843327

टिहरी में लैंडस्लाइड, वीडियो में कैद हुआ भयंकर मंजर

15 मकान दबे, उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में रुक-रुककर हो रही है बारिश

देहरादून: उत्तराखंड में बारिश का कहर जारी है, यहां शनिवार को टिहरी जिले के तिनगढ़ गांव में लैंडस्लाइड हुआ। हालांकि इसमें किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। इस बारे में पता लगने पर पुलिस व बचाव दल ने घटनास्थल और आसपास के 500 मीटर के एरिया को खाली करवा दिया है।

जीवन अस्तव्यस्त, बंद करवाए गए स्कूल

जानकारी के अनुसार लैंडस्लाइड में तिनगढ़ गांव के करीब 15 घर मलबे के नीचे दब गए हैं। इस सब के बाद स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल के आसपास के स्कूल 29 से 31 जुलाई तीन दिन के लिए बंद कर दिए गए हैं। बता दें उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। यहां कई जगह लैंडस्लाइड और बारिश का पानी जमा होने से जीवन अस्तव्यस्त है।

बता दें तिनगढ़ गांव में इससे पहले भी लैंडस्लाइड हो चुका है। शनिवार को प्रशासन ने पहली ही घरों को खाली करवा लिया था। प्रशासन के अनुसार लोगों को विनकखाल इंटर कॉलेज में बनाए शिविर में रखा गया है। सभी की हालत स्थिर है, शिविर में खाना, पानी, दवा सभी मूलभूत सेवाएं मुहैया करवाई गई हैं।

मां-बेटी की मौत, दो पुलिया टूटी

इससे पहले शुक्रवार की रात को बूढ़ाकेदार क्षेत्र के धर्मगंगा नदी में उफान हो गया था। जिसकी चपेट में आने पर मां-बेटी नदी के तेज बहाव में बह गए, जिससे उनकी मौत हो गई। इसके अलावा भंगेली के गुणगा गांव में तेज बारिश के चलते दो पुलिया और पीने के पानी की लाइन टूट गई। वहीं, तोली गांव के एक मकान की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। बता दें उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में लगातार बारिश जारी है।

'जानबूझकर रोके गए पंजाब स्वास्थ्य सेवा के 1000 करोड़', केंद्र सरकार पर बरसे

नई दिल्ली: पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान प्रदेश के लोगों को सरकारी खर्चे पर हर एक सुविधा देने का काम कर रहे हैं। इसी के तहत मान सरकार ने राज्य में आम आदमी क्लीनिक की शुरुआत की, जो काफी सफल साबित हुआ है। सीएम मान का कहना है कि प्रदेश के हर तीसरा का शख्स आम आदमी क्लीनिक की सुविधा का लाभ उठा रहा है। इसी बीच सीएम मान ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत पंजाब के 1000 करोड़ रुपये रोक दिए हैं।

पंजाब सीएम मान ने रविवार को 58 हाईटेक एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाई है। इसके बाद सीएम मान ने मीडिया से बात करते हुए पंजाब सरकार द्वारा राज्य के लोगों को दी जाने वाली उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में बताया। इसी के साथ उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब के लोगों को इसी तरह की स्वास्थ्य सेवाओं से दूर रखना चाहती है। इसलिए केंद्र सरकार ने पंजाब सरकार द्वारा किए जाने वाले जनहितैषी प्रयासों को विफल करने में लगी हुई है। इसके साथ ही सीएम मान ने कहा कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत पंजाब को दिए जाने वाले 1000 करोड़ रुपये की ग्रांट रोक दिया है। सीएम मान ने इसे एक निंदनीय कदम बताया है। इसके अलावा सीएम मान ने कहा कि आम आदमी क्लीनिकों ने पंजाब में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में क्रांति लाई है। सीएम मान ने कहा कि प्रदेश में 1.75 करोड़ से ज्यादा लोग ने इन क्लीनिकों का लाभ उठा चुके हैं।

बाढ़ के पानी में बह रही है कार, जान बचाने के लिए कूदते दिखे युवक

नई दिल्ली: महाराष्ट्र के कई जिलों में बारिश से हाल बुरा है। राज्य के चंद्रपुर में मूसलाधार बारिश की वजह से नदी-नाले उफान पर हैं। प्रशासन द्वारा सावधानी बरतने की तमाम अपील के बावजूद लोग अपनी जान को जोखिम में डाल रहे हैं। तेज बहाव के बीच फंसी कार का एक वीडियो सामने आया है, जो पुलिया की तरफ बहती हुई दिख रही है।

ये वीडियो चंद्रपुर इलाके का है। वीडियो में देखा जा सकता है कि तेज बहाव वाले पानी में एक कार बह रही है। इस कार से एक युवक बाहर छलांग लगाता नजर आ रहा है, तो पानी में फंसे दूसरा युवक कार को पकड़ अंदर घुस रहा है। इस दौरान कार तेजी से एक पुलिया की तरफ बहती हुई जा रही है। यह वीडियो चंद्रपुर के महाकाली कॉलरी मार्ग पर झरपट नदी का बताया जा रहा है।कार को बहता देखकर लोगों के चिल्लाने की आवाज सुनाई दे रही है।

वहीं, कुछ लोग सड़क किनारे खड़े होकर इस दृश्य देख रहे हैं और उन्हें कार से बाहर आने के लिए कह रहे हैं। हालांकि, पानी का प्रवाह इतना तेज है कि कार बहती हुई पुलिया की तरफ जा रही है। जो व्यक्ति कार से कुदता है वह सही सलामत बच जाता है। वहीं, दूसरा युवक भी कुछ समय बाद आगे जाकर कार से बाहर कूद जाता है।

नीतीश सरकार को सुप्रीम कोर्ट से लगा झटका!

पटना : बिहार सरकार ने राज्य में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने का आदेश दिया था। बिहार सरकार के इस आदेश पर पटना हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। जिसके बाद बिहार सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने भी बिहार सरकार की याचिका स्वीकार कर ली थी। हालांकि आज सुनवाई के दौरान अदालत ने पटना हाईकोर्ट के मामले पर रोक लगाने से मना कर दिया है। इस फैसले से नीतीश सरकार को करारा झटका लग सकता है।

बता दें कि बिहार सरकार ने आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 65 प्रतिशत तक कर दी थी। नए अधिनियम के तहत सरकार ने रउ/रळ, डइउ और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। हालांकि पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के फैसले पर रोक लगा दी। बिहार सरकार ने पटना हाईकोर्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायक की। इसकी अगली सुनवाई सितंबर के महीने में होगी। अदालत में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि इस एक्ट के तहत नौकरियों के हजारों इंटरव्यू चल रहे हैं। मगर सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार करते हुए आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत तक रखने के आदेश दिए हैं।

जातिगत सर्वेक्षण के आधार पर लिया फैसला

बिहार सरकार ने जातिगत सर्वेक्षण के आधार पर ये फैसला लिया था। ये सर्वेक्षण लाने वाला बिहार देश का पहला राज्य था। सर्वेक्षण के अनुसार राज्य में रउ/रळ और डइउ की आबादी में बढ़ोत्तरी देखने को मिली थी।

राजेंद्र नगर हादसा: दिल्ली पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली : देश की राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में एक कोचिंग संस्थान में तीन छात्रों की मौत ने सभी को झकझोर के रख दिया है। यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र कोचिंग के बेसमेंट में थे जहां अचानक से पानी भरने के कारण तीन छात्रों की मौत हो गई। अब इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सख्त एक्शन लेते हुए 5 और लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही हादसे में कुल गिरफ्तारी की संख्या 7 पहुंच गई है।

राजेंद्र नगर में कोचिंग के बेसमेंट में बाढ़ मामले में 5 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में बेसमेंट का मालिक और एक व्यक्ति शामिल है जिसने वो गाड़ी चलाई थी जिससे कोचिंग के गेट को नुकसान पहुंचा था। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि हम इस मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दिल्ली पुलिस की ओर से दिए गए अपडेट के मुताबिक काले रंग की जो गाड़ी दिख रही है वो गाड़ी थार नही है। ये गाड़ी फ़ोर्स गुरखा गाड़ी थी। पुलिस के मुताबिक एफआईआर में दर्ज सेक्शन में ही ड्राइवर की गिरफ्तारी हुई है। एफआईआर बीएनएस की धारा 105, 106(1), 115(2), 290 और 3(5) में दर्ज की गई है। दिल्ली पुलिस ने गाड़ी भी जब्त कर ली है। राजेंद्र नगर के राव कोचिंग सेंटर में हुए हादसे में बड़ी कार्रवाई हुई है। आयुक्त अश्वनी कुमार ने बड़ी कारवाई करते हुए जेई को टर्मिनेट कर दिया है। इसके साथ ही एई को निलंबित कर दिया है। खबर आई है कि दिल्ली एमसीडी राजेंद्र नगर में बुलडोजर एक्शन की भी तैयारी कर रही है।

संक्षेप खबरें

जंगल में पेड़ से बंधी मिली अमेरिकन महिला

सिंधुदुर्ग: जिले के कराड़ी जंगल वाले इलाके से एक विदेशी महिला को रेस्क्यू किया गया है। बताया जा रहा है कि विदेशी महिला अमेरिका की रहने वाली है। महिला को जंगल में एक पेड़ से बांधकर किसी ने छोड़ दिया था। स्थानीय लोगों ने महिला को पेड़ से बंधा हुआ देखा तो उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने महिला को वहां से निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल महिला कुछ भी बोल पाने की स्थिति में नहीं है। वहीं महिला का इलाज कराया जा रहा है।

दरअसल, पूरा मामला सिंधुदुर्ग जिले का है। यहां पर शनिवार की सुबह कुछ किसानों ने विदेशी महिला को जंगल में देखा। महिला एक पेड़ से बंधी हुई थी। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस ने पीड़ित महिला को रेस्क्यू कर जंगल से निकाला और पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस का कहना है कि पीड़िता बेहद कमजोर है। पीड़िता से बयान लेने की कोशिश की गई, लेकिन पीड़िता इतनी कमजोर थी कि वह कुछ भी बोल सकने में सक्षम नहीं दिखी। किसी तरह से कॉपी-पेन देकर महिला से घटना के बारे में लिखवाया गया, जिसके बाद महिला ने कॉपी पर लिखकर घटना के बारे में जानकारी दी।

पीड़ित महिला के लिखित बयान के मुताबिक उसने तमिलनाडु के एक शख्स से शादी की थी। उसके पति ने उसे इंजेक्शन लगाया और फिर उसे यहां लाकर जंगल में पेड़ से बांध दिया। इसके बाद उसका पति वहां से चला गया और महिला को वहीं पर छोड़ दिया। महिला ने पुलिस को लिखित बयान में बताया कि वो 40 दिन से बिना खाये जंगल में थी।

बिहार के ये शिवभक्त, जिन्होंने मंदिर बनाने में झोंकी अपनी पूरी कमाई, अब मांग रहे चंदा

लालपुर : आपने अब तक कई शिवभक्तों की भक्ति देखी होगी और उनके बारे में सुना भी होगा, लेकिन बिहार में एक ऐसे शिवभक्त हैं जिन्होंने अपने जीवन की पूरी कमाई मंदिर बनाने में लगा दी और इसके बाद भी जब मंदिर पूरा नहीं हुआ तो अब चंदा मांग रहे हैं। यह पूरा मामला समस्तीपुर के रोसड़ा के रहने वाले शिवभक्त शिवशंकर महतो से जुड़ा है, जो एक भव्य शिव मंदिर का निर्माण करवा रहे हैं। इनका दावा है कि अपनी मेहनत की 50 लाख रुपये से ज्यादा की राशि लगा दी, उसके बाद जब मंदिर निर्माण का कार्य पूरा नहीं हुआ तो अब सुबह से शाम तक चंदा मांगते हैं और जो मिलता है उसे वे मंदिर निर्माण में लगा देते हैं।

लालपुर गांव के रहने वाले शिवशंकर महतो बताते हैं कि अपने गांव में इस मंदिर का निर्माण कार्य 2007 से प्रारंभ किया और फिर 2012 में इस मंदिर में भगवान की प्रतिमा स्थापित कराई। फिलहाल इस मंदिर में शिव, पार्वती, हनुमान, कार्तिक, गणेश और काल भैरव की पूजा हो रही है। प्रतिदिन सैकड़ों लोग यहां पूजा करने आते हैं। मंदिर निर्माण का कार्य कब तक पूरा होगा, इस प्रश्न के जवाब में शिवशंकर कहते हैं कि सब भोले बाबा की कृपा है। मंदिर निर्माण का कार्य भी उनके आदेश से शुरू हुआ था और अंत भी उनके आदेश से होगा। महतो आज मंदिर के समीप एक खपड़ैल के मकान में पूरे परिवार के साथ रहते हैं। इनके चार बेटे और एक बेटी हैं। उन्होंने बताया कि इस मंदिर निर्माण में न केवल परिवारजनों का बल्कि गांव के लोगों का भी सहयोग मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि इस स्थल पर महाशिवरात्रि के दिन मेला लगता है और सावन में श्रद्धालु बड़ी संख्या में पूजा करने पहुंचते हैं।

दो हिस्सों में बंटी नई दिल्ली आ रही बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस

समस्तीपुर: जिले में एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टला है। दरअसल, यहां दरभंगा से नई दिल्ली जा रही बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बट गई। बताया जा रहा है कि ट्रेन के डिब्बे इंजन से अलग हो गए। वहीं मौके पर रेलवे के अधिकारी भी पहुंच गए हैं। रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचकर इंजन से डिब्बों को जोड़ने के कार्य में जुटे हुई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। घटना समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड के खुदीराम बोस पूसा रेलवे स्टेशन के पास हुई है। समस्तीपुर से नई दिल्ली जाने वाली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। वहीं ट्रेन के दो हिस्सों में बंटने के बाद ट्रेन में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। किसी तरह से ट्रेन को रोका गया। ट्रेन के दो हिस्सों में बंटने का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रेन दो हिस्सों में बंटी हुई है। वहीं ट्रेन से उतरकर कुछ लोग वीडियो बनाते हुए दिखे। इंजन को बोगी से जोड़ने वाला कपलिंग टूट गया था।

डायबिटीज के मरीजों को पपीता खाना चाहिए या नहीं जानें

शुगर के मरीजों को खासतौर पर मीठा खाने की मनाही होती है। इसलिए कई बार उनका मीठा खाने का मन करता है, बहुत ज़्यादा क्रेविंग होती है लेकिन वो नही खा पाते हैं। ऐसे में कई डायबिटीज के मरीज यह पूछते हैं कि क्या मीठे में वो पपीता जैसे फल का सेवन कर सकते हैं। क्या पपीता उनके लिए फायदेमंद है? तो, इस बारे में जानने के लिए हमने पीएसआरआई हॉस्पिटल की इंचार्ज डायटीशियन डॉ. देबजानी बनर्जी से बातचीत की। चलिए, जानते हैं इस बारे में क्या थी डॉक्टर की राय

नई दिल्ली: डायबिटीज के मरीजों को अपनी डाइट का सबसे ज़्यादा ख्याल रखना होता है। डाइट में ज़रा सी गड़बड़ी हुई तो शुगर लेवल बढ़ जाता है जो सेहत के लिए खतरनाक है। शुगर के मरीजों को खासतौर पर मीठा खाने की मनाही होती है। इसलिए कई बार उनका मीठा खाने का मन करता है, बहुत ज़्यादा क्रेविंग होती है लेकिन वो नहीं खा पाते हैं। ऐसे में कई डायबिटीज के मरीज यह पूछते हैं कि क्या मीठे में वो पपीता जैसे फल का सेवन कर सकते हैं। क्या पपीता उनके लिए फायदेमंद है? तो, इस बारे में जानने के लिए हमने पीएसआरआई हॉस्पिटल की इंचार्ज डायटीशियन डॉ. देबजानी बनर्जी से बातचीत की। चलिए, जानते हैं इस बारे में क्या थी डॉक्टर की राय

डॉ. देबजानी बनर्जी कहती हैं कि डायबिटीज के मरीज पपीता का सेवन कर सकते हैं। क्योंकि, इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम है। इसका ग्लूकोज़ अब्सॉर्प्शन कैपिसिटी 60 के आसपास है. ऐसे में इसका सेवन करने से डायबिटीज के मरीजों का ब्लड शुगर नहीं बढ़ता है।डायबिटीज के मरीजों के लिए पपीता है फायदेमंद:

डायबिटीज के मरीजों को अपनी डाइट को लेकर बेहद सख्त होना पड़ता है। लेकिन वो अपनी डाइट में पपीता जैसे फल का सेवन कर सकते हैं। दरअसल, पपीता का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। ऐसे में शुगर पेशेंट इस फल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। कुछ रिसर्च के मुताबिक़, इसमें हाइपोग्लाइसेमिक इफेक्ट्स देखा गया है, जो ब्लड शुगर लेवल को लोअर रखने में काफी मददगार होते हैं।

ज़्यादा खाना पड़ सकता है भारी

पपीता में फ़्लेमोनोइड्स होते हैं जो एक नेचुरल एंटी ऑक्सीडेंट्स हैं। ये हमारे ब्लड शुगर को रेग्यूलेट करने में मदद करते हैं। कई रिसर्च ये दावा करते हैं कि शुगर के मरीज़ों के लिए यह फल लाभकारी है लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि वो इसे ज़्यादा मात्रा में खाएं। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो यह ध्यान रखें कि मीठी चीज़ का ज़्यादा सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है इसलिए ऐसे लोग कभी फ्रूट डाइट न फॉलो करें।एक दिन में कितना खाएं?

अब बात है एक दिन में कितना खाएं तो हम आपको बात दें आप एक दिन में एक बाउल पपीता का सेवन कर सकते हैं। यानी आप एक दिन में 200 ग्राम से लेकर ढाई सौ ग्राम पपीता का सेवन कर सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें की रोज़ रोज़ पपीता न खाएं। इसका सेवन आप अपनी ज़रूरत को देखकर ही करें। डॉ. देबजानी बनर्जी कहती हैं कि डायबिटीज के मरीज पपीता का सेवन कर सकते हैं। क्योंकि, इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम है। इसका ग्लूकोज़ अब्सॉर्प्शन कैपिसिटी 60 के आसपास है.

ऐसे में इसका सेवन करने से डायबिटीज के मरीजों का ब्लड शुगर नहीं बढ़ता है।डायबिटीज के मरीजों के लिए पपीता है फायदेमंद:

डायबिटीज के मरीजों को अपनी डाइट को लेकर बेहद सख्त होना पड़ता है। लेकिन वो अपनी डाइट में पपीता जैसे फल का सेवन कर सकते हैं। दरअसल, पपीता का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। ऐसे में शुगर पेशेंट इस फल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। कुछ रिसर्च के मुताबिक़, इसमें हाइपोग्लाइसेमिक इफेक्ट्स देखा गया है, जो ब्लड शुगर लेवल को लोअर रखने में काफी मददगार होते हैं।

संपादकीय

जिम्मेदार नागरिकों की शिकायत

हमारे देश के लोगों के पास कामन सेंस और सिविक सेंस की कोई कमी नहीं है। कामन सेंस तो चलो इतना कामन नहीं, पर सिविक सेंस अर्थात सामाजिक व्यवहार या समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव तो इतना कूट-कूटकर भरा है कि जब हम बाजार निकलते हैं तो जिस दुकान से समान लेना होता है, ठीक उसके सामने ही अपनी गाड़ी लगाकर चल देते हैं। ऐसा करने वाले यह मानते हैं कि यह सोचना उनका काम नहीं है कि उनकी गाड़ी की वजह से पूरी सड़क पर जाम लग सकता है।

> 'स्वच्छ भारत अभियान के जमाने में हम अपने घर का कचरा बाहर कहीं पर भी फेंकने को अपना परम कर्तव्य मानते हैं। हम इतने सब पर ही नही रुकते, बल्कि मेट्रो में बैठकर फुल आवाज में वीडियो देखते हैं, कही भी गाड़ी खड़ी करके तेज गाने सुनते हैं और अपने घर की पार्टी का तेज संगीत पूरे मुहल्ले को सुनाकर उसकी नींद हराम करने की ताकत रखते हैं।

सड़क पर तेज ड्राइविंग हो या रांग साइड गाड़ी घुसाने का कार्य, हम बखूबी करते हैं। इससे किसी दूसरे की जान खतरे में पड़े या खुद की, इतना सब सोचेंगे तो ड्राइविंग कैसे करेंगे। हम तो अर्जुन हैं, जिसकी नजर सिर्फ लक्ष्य भेदने पर ही होती है। अब हम उस देश के वासी हैं, जहां पैदल यात्रियों के बारे में सोचने का रिवाज ही नहीं। यदि पैदल पार पथ बना भी है या कोई रास्ता गलती से बन गया तो बाइक तो है ही घुसाने को। इससे भी काम न चला तो पूरी रेहड़ी लगा दी जाएगी।

हम तो ऐसे महारथी हैं कि अपने आसपास के लोगों के बारे में भी नहीं सोचते। लिफ्ट हो या ट्रेन, हम पूरे जोश से बाहर निकलने वाले को अंदर धकेलते हुए घुसते हैं। अपनी बालकनी में टपकते पानी वाले कपड़े सुखाएं या बालकनी के बाहर सूर्य को जल दें हमारी मर्जी। नीचे किसी का सिर है या कुछ और, इससे हमें कोई मतलब नहीं। हम कहीं भी थूक सकते हैं। सरकारी प्रापर्टी चुराना या उसे नुकसान पहुंचाना हम अपना हर समझते हैं। इस हक के आगे देश और समाज के प्रति अपनी कोई जिम्मेदारी है, इससे हम मतलब नहीं रखते। अपने बाग को सुंदर बनाए रखने के लिए हम इतनी मेहनत करते हैं कि सुबह होने से पहले उठकर दूसरों के बाग से फूल लाकर अपने भगवान पर चढ़ाते हैं।

दुनिया पानी की किल्लत का रोना रोए या कोई कितना कहे पानी बचाओ, इससे हमारी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता। हम तो वे लोग हैं, जो पाइप लगाकर पीने के पानी से अपनी गाड़ी और स्कूटर की दिल खोलकर धुलाई करते हैं। टंकी ओवरफ्लो करती रहे तो भी हमें दर्द नहीं होता, बाकी बाद में सरकार तो है ही कोसने को। अपने शहर की हवा-पानी बर्बाद कर हम गाड़ी उठाकर निकल पड़ते हैं पहाड़ों और दूसरे शहरों की ओर भीड़ लगाने, क्योंकि हम जिम्मेदार नागरिक जो हैं। गाड़ी की खिड़की से चिप्स के पैकेट और पानी की बोतलें उछालते हुए हम सरकार को कोसना नहीं भूलते कि 'सरकार कुछ नहीं करती। बताओ यहां भी कितनी गंदगी और भीड़ है।

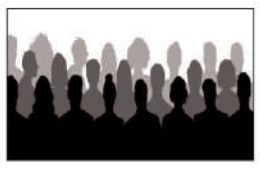

'स्वच्छ भारत अभियान के जमाने में हम अपने घर का कचरा बाहर कहीं पर भी फेंकने को अपना परम कर्तव्य मानते हैं। हम इतने सब पर ही नहीं रुकते, बल्कि मेट्रो में बैठकर फुल आवाज में वीडियो देखते हैं, कहीं भी गाड़ी खड़ी करके तेज गाने सुनते हैं और अपने घर की पार्टी का तेज संगीत पूरे मुहल्ले को सुनाकर उसकी नींद हराम करने की ताकत रखते हैं। कोई टोके तो लड़ने के लिए तो तैयार रहते हैं, पर अपनी खुशी के साथ समझौता कतई नहीं करते। हमारी समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना तो कोविड महामारी के समय भी कम न हुई, जब हमने दूसरों के बजाय खुद का सोचा और राशन ऐसे खरीदा मानो पूरी जिंदगी का इंतजाम कर रहे थे।

निर्यात बढ़ाने के लिए बजट में किए गए प्रविधान से मिलेगी मदद

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

अब इन देशों में भारत से निर्यात की संभावना बढ़ी है। बीते दिनों विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अपने एक संबोधन में कहा था कि चीन के साथ कारोबार असंतुलन एक बड़ा मुद्दा है। चीन के साथ सीमा पर चल रहे तनाव के बावजूद वहां से आयात में हो रही लगातार वृद्धि पर उन्होंने भारतीय उद्योग जगत को भी आड़े हाथों लिया और पूछा कि 'क्या आप उसके साथ कारोबार करेंगे, जो आपके ड्राइंग रूम में घुस कर आपके घर को नुकसान पहुंचा रहा हो।' उन्होंने कहा कि 'हमें चीन के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा की संवेदनशीलता को भी ध्यान में रखना होगा।

इस समय भारत के पास चीन से आयात घटाने और वैश्विक निर्यात में उसके दबदबे को खत्म करने का एक बड़ा मौका है। इस अवसर के तीन प्रमुख आधार हैं। पहला, संसद में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पेश आम बजट में किए गए प्रविधानों से भारत के आयात घटने एवं निर्यात बढ़ने की संभावना है। दूसरा, चीन से निकलते बड़े उद्योगों, कंपनियों और निवेश के भारत में आने की सबसे अधिक उम्मीद है। इससे भारत का मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत होगा।

तीसरा, चीन प्लस वन रणनीति के तहत भारत खुद को दुनिया के समक्ष एक भरोसेमंद देश के रूप में पेश कर निर्यात बढ़ा सकता है। अमेरिका सहित यूरोपीय एवं कई विकसित देश इन दिनों चीन से आयात घटाने के लिए उसके उत्पादों पर जिस तरह असाधारण आयात प्रतिबंध लगा रहे हैं, उससे इन देशों में भारत के उत्पादों का निर्यात बढ़ने की आशा है। यकीनन इस बार का बजट उद्योगों को समृद्ध करने वाला भी है।

इसमें मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करते हुए आयात घटाने एवं निर्यात बढ़ाने के अभूतपूर्व प्रविधान किए गए हैं। इससे चीन का भारतीय बाजारों पर जो प्रभाव बना हुआ है, उसमें कमी लाने में मदद मिल सकती है। अभी करीब 118.41 अरब डालर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ चीन भारत का एक बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में चीन से भारत का आयात 101.75 अरब डालर था, जबकि चीन को भारत का निर्यात 16.66 अरब डालर था।

मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर निर्यात और रोजगार सृजन दोनों में अहम योगदान देता है। इसके प्रोत्साहन के लिए वित्त मंत्री ने बजट में देश के 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा की है। उद्यमी को ऐसे औद्योगिक पार्क में जाकर सिर्फ उत्पादन शुरू करना होता है। इससे कम से कम 100 प्रकार की वस्तुओं का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो सकता है। बजट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर सशक्त बनाने की भी बात है।

सरकार ने जरूरी इकोसिस्टम को तैयार कर ठंडे पड़े मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में जान फूंकने और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन स्कीम को मजबूती देने के प्रविधान किए हैं। मशीनरी की खरीदारी के लिए एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम भी लांच की गई है। इसके तहत 100 करोड़ रुपये तक के लोन की गारंटी होगी।

वैश्विक वित्तीय दिग्गज नोमूरा ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि चीन से ग्लोबल कंपनियां बाहर निकल रही हैं, जिसका बड़ा फायदा भारत को मिलता दिख रहा है। खासतौर से इलेक्ट्रानिक्स, आटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, सेमीकंडक्टर (असेंबलिंग, टेस्टिंग), एनर्जी (सोलर) के अलावा फार्मास्युटिकल्स सेक्टर की कंपनियां भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रही हैं। भारत को इनको हरसंभव सुविधा देकर स्वागत करना चाहिए।

इन दिनों यूरोपीय, अमेरिका और अन्य कई देश चीन से आयात के बढ़ते खतरों के मद्देनजर चीनी आयात पर प्रतिबंध लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस कड़ी में हाल में यूरोपीय आयोग ने चीन में बने इलेक्ट्रिक वाहनों पर 48 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाना सुनिश्चित किया है। पिछले कई वर्षों से यूरोपीय देशों की चीन से आयात पर शुल्क की दरें 10 प्रतिशत तक सीमित रही हैं। ऐसे में विभिन्न देशों द्वारा चीन से आयात होने वाले अनेक उत्पादों पर लगातार बढ़ता शुल्क चीन के आयात को हतोत्साहित करने की एक अहम पहल है।

अब इन देशों में भारत से निर्यात की संभावना बढ़ी है। बीते दिनों विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अपने एक संबोधन में कहा था कि चीन के साथ कारोबार असंतुलन एक बड़ा मुद्दा है। चीन के साथ सीमा पर चल रहे तनाव के बावजूद वहां से आयात में हो रही लगातार वृद्धि पर उन्होंने भारतीय उद्योग जगत को भी आड़े हाथों लिया और पूछा कि 'क्या आप उसके साथ कारोबार करेंगे, जो आपके ड्राइंग रूम में घुस कर आपके घर को नुकसान पहुंचा रहा हो।' उन्होंने कहा कि 'हमें चीन के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा की संवेदनशीलता को भी ध्यान में रखना होगा। जहां तक संभव हो भारत में बनाएं, भारत में खरीदें। जो राष्ट्रीय हित में है, वह लंबी अवधि में कारोबार के हित में भी होगा।'

निःसंदेह इसके लिए देश के लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। देश की बड़ी कंपनियों को भी शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ना होगा। चीन से व्यापारिक असंतुलन की गंभीर चुनौती के लिए सिर्फ सरकार ही जिम्मेदार नहीं है। चीन के साथ व्यापार असंतुलन के लिए सीधे तौर पर देश का उद्योग-कारोबार और देश की कंपनियां भी जिम्मेदार हैं, जिनके द्वारा कलपुर्जे सहित संसाधनों के विभिन्न स्त्रोत विकसित करने में अपनी प्रभावी भूमिका नहीं निभाई गई है।

जिस तरह यूरोपीय संघ और अन्य विकसित देशों ने चीन से आयात नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाए हैं, उसी तरह भारत सरकार को भी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बने चीन के साथ तेजी से बढ़ते हुए व्यापार घाटे को नियंत्रित करने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ना होगा। हम उम्मीद करें कि भारतीय बाजार में चीन का दबदबा खत्म करने और भारत से निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर आम बजट में जो प्रविधान किए गए हैं, उद्योग जगत उनका कारगर उपयोग करेगा।

साथ ही नोमूरा ने चीन से ग्लोबल कंपनियों के बाहर निकलने के बीच सबसे बड़ा फायदा भारत को मिलने की जो संभावना बताई है, उसका भारत सरकार द्वारा रणनीतिक रूप से लाभ उठाया जाएगा। ऐसा होने पर निश्चित रूप से भारतीय बाजार में चीन का दबदबा खत्म करने में सफलता मिलेगी।

बिजनेस

फ्रेशर्स की मदद करेगी प्रोत्साहन और इंटर्नशिप योजना

नई दिल्ली। हाल ही में घोषित किए गए रिवॉर्ड पैकेज और इंटर्नशिप संरचना को उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में रोजगार सृजन को बढ़ाने की उनकी क्षमता के लिए बहुत प्रशंसा मिली है। इन इनोवेशन से युवा प्रोफेशनल्स के लिए महत्वपूर्ण अवसर पैदा होने की संभावना है, साथ ही क्षेत्र के सामान्य आर्थिक विकास में भी योगदान मिलेगा।

सरकार की नई प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य व्यवसायों और उद्योगों को स्थानीय बाजारों में पूंजी लगाने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वे रोजगार सृजन करने वाली कंपनियों को वित्तीय प्रोत्साहन और जीविका प्रदान कर सकें। इस योजना का उद्देश्य एक आशाजनक कारोबारी माहौल, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसायों को संचालन शुरू करने और अपने कर्मियों को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना भी है।

यह पहल फ्रेशर्स को रियल वर्ल्ड वर्क एक्सपीरियंस और कॉम्पिटिटिव जॉब में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करके उनके करियर की संभावनाओं को बढ़ाएगी। इस प्रयास से रियल एस्टेट, आईटी, मैन्युफैक्चरिंग,

बैंकिंग और कई अन्य क्षेत्रों में हजारों इंटर्नशिप मिलने की उम्मीद है।

गुरुग्राम, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। शहर की रणनीतिक स्थिति, अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर और बिज़नेस के अनुकूल वातावरण ने बड़ी संख्या में प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियों और रियल एस्टेट डेवलपर्स को आकर्षित किया है। नई प्रोत्साहन प्रोग्राम और इंटर्नशिप प्रोग्राम के साथ गुरुग्राम और भी अधिक फलने-फूलने और विकसित होने के लिए तैयार है।2024 के लिए प्रोत्साहन स्कीम और इंटर्नशिप प्रोग्राम गुरुग्राम को बहुत लाभ पहुंचाएगी। इन पहलों से पर्याप्त रोजगार के अवसर मिलेंगे और स्थानीय कर्मियों के रोजगार कौशल में वृद्धि होगी। निश्चित रूप से, यह लक्षित पहल विकास की एक श्रृंखला शुरू करेगी और इनोवेशन को गति देगी, जिससे गुरुग्राम एक बिज़नेस डेस्टिनेशन के रूप में और भी अधिक आकर्षक बन जाएगा और सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करेगा।

भारतीय ग्रुप के फाउंडर चेयरमैन स्नेहदीप अग्रवाल के अनुसार केंद्रीय बजट 2024 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की घोषणा भारत के यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र को बदलने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। व्यापक विकास योजना प्रतिष्ठित स्थलों को बढ़ाने और आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक आकर्षणों को बढ़ावा देकर इकोनॉमिक डेवलपमेंट के लिए एक मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने का वादा करती है। ये स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट न केवल टूरिज्म को बढ़ावा देंगे बल्कि रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देंगे और महत्वपूर्ण इन्वेस्टमेंट आकर्षित करेंगे। यह पहल भारत को एक प्रमुख ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बजट 2024 में प्रोत्साहन योजना और इंटर्नशिप योजना निश्चित रूप से गुरुग्राम में जीवंत नौकरी बाजार को बढ़ावा देगी। यह योजना स्थानीय कर्मचारियों को काम पर रखने और उन्हें कौशल प्रदान करने के लिए स्टार्ट-अप को फॉर्च्यून कंपनियों की ओर आकर्षित करेगी और शहर की अर्थव्यवस्था के समग्र विकास को बढ़ावा देगी।

स्टार्टअप कैपिटल और कई फॉर्च्यून 500 कंपनियों के केंद्र के रूप में प्रसिद्ध गुरुग्राम को इन योजनाओं से काफी लाभ होने की उम्मीद है।

कर बकाया और बड़ी चूक के मामलों में ही लेना होगा टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट

नई दिल्ली। विदेश जाने के लिए टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट अनिवार्य करने संबंधी बजट प्रस्ताव पर सरकार ने स्पष्टीकरण जारी किया है। वित्त मंत्रालय का कहना है कि प्रस्तावित संशोधन सभी के लिए नहीं है और केवल उन्हीं व्यक्तियों को क्लीयरेंस लेना होगा, जिन पर वित्तीय अनियमितता का आरोप है या उन पर ज्यादा कर बकाया है। मंत्रालय ने वित्त विधेयक, 2024 में काला धन अधिनियम, 2015 के संदर्भ को उन अधिनियमों की सूची में जोड़ने का प्रस्ताव दिया है, जिसके तहत किसी भी व्यक्ति को टैक्स क्लीयरेंस प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए अपनी देनदारियों को चुकाना होगा।

इसको लेकर मंत्रालय ने कहा कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 230 के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही मंत्रालय की तरफ से आगे कहा गया कि आयकर विभाग ने 2004 की अधिसूचना को आधार मानकर स्पष्ट किया है कि भारत में रहने वाले व्यक्तियों को केवल कुछ परिस्थितियों में ही टैक्स

क्लीयरेंस सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता होती है। जो व्यक्ति गंभीर वित्तीय अनियमितताओं में शामिल हो और आयकर अधिनियम या संपत्ति कर अधिनियम के तहत मामलों की जांच में उसकी उपस्थिति आवश्यक है। इसके अलावा ऐसे व्यक्ति को भी टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट लेना होगा।

जिसके खिलाफ 10 लाख रुपये से अधिक का प्रत्यक्ष कर बकाया है और उस पर किसी प्राधिकरण द्वारा रोक नहीं लगाई गई है। आयकर विभाग ने कहा कि प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त या मुख्य आयकर आयुक्त से अनुमोदन लेने के बाद ही टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट दिया जा सकता है।

ऐसा सर्टिफिकेट आयकर प्राधिकरण द्वारा ही जारी किया जा सकता है। जिसमें यह साफ-साफ लिखा हो कि ऐसे व्यक्ति पर आयकर अधिनियम या संपत्ति कर अधिनियम, या उपहार कर अधिनियम, 1958, या व्यय कर अधिनियम, 1987 के अंतर्गत किसी तरह का कर देय नहीं है।

भारत को 18,000 डॉलर प्रति व्यक्ति आय के साथ 30 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने की जरूरत

नई दिल्ली। भारत सरकार वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य हासिल करने की कोशिश कर रही है। नीति आयोग ने **'Vision for Viksit Bharat @ 2047:An Approach Paper'** नाम का पेपर रिलीज किया। इस पेपर में आयोग ने कहा कि भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लिए 18,000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति आय करने की आवश्यकता है।

नीति आयोग के दस्तावेज के अनुसार प्रति व्यवित इनकम के साथ जीडीपी ग्रोथ पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। अगर विकसित भारत करना है तो जीडीपी को आज के 3.36 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से नौ गुना बढ़ाना होगा। वही, प्रति व्यक्ति आय को आज के 2,392 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष से 8 गुना बढ़ाना होगा।

नीति आयोग के दस्तावेज के अनुसार प्रति व्यक्ति इनकम के साथ जीडीपी ग्रोथ पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। अगर विकसित भारत करना है तो जीडीपी को आज के 3.36 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से नौ गुना बढ़ाना होगा। वहीं, प्रति व्यक्ति आय को आज के 2,392 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष से 8 गुना बढ़ाना होगा।दस्तावेज के अनुसार मिड-इनकम से हाई-इनकम लेवल तक पहुंचने के लिए 20-30 वर्षों तक 7-10 प्रतिशत की सीमा में निरंतर वृद्धि की आवश्यकता है। इस मामले में बहुत कम देश ही कामयाब हुए हैं।

विकसित भारत एक ऐसा भारत है जिसकी सामाजिक, सांस्कृतिक, तकनीकी और संस्थागत विशेषताएं इसे एक समृद्ध विरासत के साथ एक विकसित राष्ट्र के रूप में चिह्नित करेंगी।संरचनात्मक चुनौतियों से निपटने की जरूरत

विश्व बैंक (हङ्क्ष 'इिंह्ल') के अनुसार जिन देशों में वार्षिक प्रति व्यक्ति आय 14,005 अमेरिकी डॉलर (2023 में) से अधिक है वह देश हाई-इनकम वाला देश है। भारत 2047 तक खुद को उच्च आय वाला देश बनाने का लक्ष्य रखा है। विकसित भारत बनने के लिए देश को विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स में क्षमताओं को उन्नत करना और ग्रामीण और शहरी आय के बीच अंतर को कम करने जैसे संरचनात्मक चुनौतियों से निपटने की जरूरत है।

पेपर में कहा गया है कि विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स में क्षमताओं को उन्नत करना और ग्रामीण और शहरी आय के बीच अंतर को पाटना कुछ संरचनात्मक चुनौतियां हैं जिनसे भारत को निपटने की जरूरत है।नीति आयोग के दस्तावेज के अनुसार प्रति व्यक्ति इनकम के साथ जीडीपी ग्रोथ पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

अगर विकसित भारत करना है तो जीडीपी को आज के 3.36 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से नौ गुना बढ़ाना होगा। वहीं, प्रति व्यक्ति आय को आज के 2,392 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष से 8 गुना बढ़ाना होगा।

सब का सपना

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा आर्यावर्त प्रिंटर्स सौम्या सदन गोकुल बिहार, अमरोहा उत्तर प्रदेश 244221 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।

संपादक : अनुज कुमार

R.N.I. No. : UPHIN/2023/86483

मोबाइल नंबर

9456884327

E-Mail :- Officialsabkasapna@gmail.com

www.sabkasapna.com

नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

मनु भाकर ने देश के लिए ओलंपिक में ऐसे जीता मेडल

नई दिल्ली

फ्रांस की राजधानी पेरिस में खेले जा रहे ओलंपिक 2024 के दूसरे दिन भारत ने कमाल कर दिखाया और इस ओलंपिक में अपना पहला मेडल जीत लिया। भारत के लिए यह मेडल किसी और खिलाड़ी ने नहीं बल्कि शूटर मनु भाकर ने जीता है। मनु भाकर से पूरे देश को काफी उम्मीदें थी और उन्होंने उन उम्मीदों को हकीकत में बदलने का काम किया है। मनु भाकर ने भारत के लिए महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। वह शूटिंग में मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी भी हैं। मनु की जीत में उनके कोच का काफी अहम रोल रहा। मनु ने भारत के नंबर 1 शूटिंग कोच जसपाल गुरु राणा के ट्रेनिंग ली है। ओसंपिक में मेडल जीतने के बाद जसपाल गुरु राणा ने मनु के मेडल जीतने के सफल पर एक बड़ा बयान दिया है।

मनु के मेडल पर क्या बोले उनके कोच

इंडिया टीवी से बात करते हुए जसपाल गुरु राणा ने कहा कि जब तक दो लोगों के बीच अच्छे कनेक्शन और ट्रस्ट ना हो तब तक आप कुछ भी नहीं कर सकते हैं और यह सिर्फ गुरु और शिष्य में नहीं हर रिश्ते में मायने रखता है। मनु भाकर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मनु सबसे ज्यादा मेहनत करने वाली एथलीटों में से एक हैं। जिन्हें उन्होंने देखा है। सिर्फ शूटिंग में ही नहीं बल्कि उन्होंने अन्य सभी चीजों में काफी मेहनत की है। पिछले कुछ समय में उन्हें इंजरी भी काफी हुई, लेकिन अपने मेहनत के कारण उन्होंने कमबैक किया और वह उनके साथ काम करके काफी खुश हैं और यह गर्व की बात है कि उन्होंने मेडल जीत लिया।

मनु भाकर के कोच से जब इंडिया टीवी के स्पोर्ट्स एडिटर समीप राजगुरु ने पूछा कि क्या उन्होंने अपना टारगेट हासिल कर लिया, क्या वह ब्रॉन्ज मेडल से खुश हैं। इस सवाल का जवाब देते हुए मनु के कोच ने कहा कि वह पूरी तरह से इस मेडल से खुश हैं और मनु ने देश के लिए इतिहास रचा है। आपको बता दें कि भारत ने 12 सालों के बाद शूटिंग में कोई मेडल जीता है।

ओलंपिक 2024 का रोमांच इस वक्त फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है

नई दिल्ली

पेरिस में खेले जा रहे ओलंपिक 2024 का रोमांच इस वक्त फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। ओलंपिक के दूसरे ही दिन भारत ने एक मेडल अपने नाम कर लिया है। इसके साथ ही उसका खाता भी खुल गया है। हालांकि अभी तो बस शुरुआत है। आने वाले दिनों में कुछ और मेडल भारत के पास आने की पूरी उम्मीद है। हो सकता है कि आज ही कुछ और मेडल भारत के खाते में जुड़ जाएं। इस बीच अगर मेडल टैली की बात करें तो अभी भारत कुछ नीचे है, लेकिन उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही कुछ और मेडल लेकर इस लिस्ट में भारत और आगे आ जाएगा।

पेरिस ओलंपिक में मेडल टैली की बात की जाए तो इस वक्त जापान सबसे आगे चल रहा है। जापान ने अब तक कुल 7 मेडल अपने नाम किए हैं। अब तक जापान के नाम 4 गोल्ड, दो सिल्वर और एक ब्रॉज मेडल आया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया ने अब तब चार गोल्ड, दो सिल्वर मेडल जीते हैं। यूएस की बात की जाए तो उसके पास कुल मिलाकर 12 मेडल हैं, लेकिन गोल्ड कम हैं, इसलिए वो मेडल टैली में इस वक्त तीसरे स्थान पर है। यूएस ने तीन गोल्ड, 6 सिल्वर और तीन ब्रॉज मेडल अपने नाम किए हैं। मेजबान देश फ्रांस इस वक्त नंबर चार पर है। फ्रांस ने तीन गोल्ड, तीन सिल्वर और दो ब्रांज मेडल जीते हैं। उसके पास कुछ मेडल की संख्या आठ है। अब अगर भारत की बात की जाए तो भारत ने दूसरे दिन तक एक मेडल अपने नाम कर लिया था। भारत की मनु भाकर ने शूटिंग में ब्रांज मेडल जीता था, इसके साथ ही भारत का खाता खुल गया है। अगर मेडल टैली की बात की जाए तो भारत का नंबर 22वां है। भले ही आपको लग रहा हो कि भारत काफी नीचे है, लेकिन इस बार के ओलंपिक में 200 से ज्यादा देश हिस्सा ले रहे हैं, उनके बीच 22वें नंबर पर आना भी कोई आसान काम नहीं है।

अगर एक से दो मेडल आज भी आए तो पूरी उम्मीद है कि ये 22वां नंबर अचानक से कम हो जाएगा और भारत टॉप 10 के लिए भी अपनी दावेदारी पेश करता हुआ दिखाई दे सकता है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वाइंट्स टेबल में हुआ बड़ा फेरबदल

नई दिल्ली

इंग्लैंड की टीम ने एजबेस्टन के मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच में 10 विकेट से जीत हासिल करते हुए इस सीरीज को 3–0 से जीतने में कामयाबी हासिल की। इंग्लैंड की टीम इस सीरीज के शुरू होने से पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023–25 की प्वाइंट्स टेबल में सबसे आखिरी स्थान पर थी लेकिन अब सीरीज खत्म होने के बाद वह सीधे छठे नंबर पर पहुंच गई है। वहीं वेस्टइंडीज की टीम अब डब्ल्यूटीसी के तीसरे संस्करण की प्वाइंट्स टेबल में अंतिम स्थान पर है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023–25 की प्वाइंट्स टेबल को इंग्लैंड और वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के खत्म होने बाद भारतीय टीम अभी भी पहले नंबर पर काबिज है जिसमें उसके 68.52 अंक प्रतिशत हैं। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है जिनके कुल 62.50 अंक प्रतिशत है। इस लिस्ट में तीसरे और चौथे नंबर पर न्यूजीलैंड और श्रीलंका की टीम है जिसमें कीवी टीम और श्रीलंका दोनों के 50–50 अंक प्रतिशत हैं। डब्ल्यूटीसी के तीसरे संस्करण की प्वाइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर पाकिस्तान की टीम है जिनके 36.66 अंक प्रतिशत हैं।

डब्ल्यूटीसी 2023–25 की प्वाइंट्स टेबल में अब छठे नंबर पर काबिज इंग्लैंड टीम के कुल 31.55 अंक प्रतिशत हैं जिसमें उन्होंने अब तक कुल 12 टेस्ट मैच खेले हैं। अंतिम तीन स्थानों पर साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज की टीम है।

साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश के जहां 25–25 अंक प्रतिशत हैं तो वहीं वेस्टइंडीज के अब 6 टेस्ट मैचों में सिर्फ एक जीत के चलते 22.22 अंक प्रतिशत हैं इसमें से उन्हें सिर्फ 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है और एक मैच को वह ड्रॉ कराने में कामयाब हुए हैं। इंग्लैंड की टीम अब घर पर ही 21 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी, जिसका पहला मुकाबला मैनचेस्टर के मैदान पर खेला जाएगा।

अर्जुन बाबुता से मेडल की उम्मीद, फाइनल में अपनी जगह की पक्की

नई दिल्ली : भारत के लिए पेरिस ओलंपिक 2024 में दूसरा दिन काफी शानदार रहा जिसमें मनु भाकर ने जहां महिला 10 मीटर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक जीता तो वहीं पुरुष के 10 मीटर एयर राइफल इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में अर्जुन बाबुता ने शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए मेडल इवेंट के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया। वहीं अर्जुन के अलावा भारत की महिला शूटर रमिता जिंदल ने भी महिला 10 मीटर एयर राइफल इवेंट के फाइनल में अपनी जगह को पक्का कर लिया है। अर्जुन की बात की जाए तो उन्होंने क्वालिफिकेशन राउंड में 6 सीरीज में 630.1 का स्कोर करने के साथ 7वें स्थान पर खत्म किया। इस इवेंट में टॉप–8 पर रहने वाले निशानेबाज फाइनल में अपनी जगह पक्की करने में कामयाब हुए।अर्जुन बाबुता ने क्वालिफिकेशन राउंड के सभी 6 सीरीज में 100 से अधिक का स्कोर किया। बाबुता ने पहली सीरीज में जहां 105.7

का स्कोर किया तो दूसरी और तीसरी सीरीज में उन्होंने 104.9, 105.5 का स्कोर किया। इसके बाद अर्जुन ने चौथी सीरीज में 105.4, पांचवीं में 104 और आखिरी सीरीज में 104.6 का स्कोर करने के साथ 7वें स्थान पर खत्म किया और मेडल इवेंट के लिए अपनी जगह को पक्का किया। इस इवेंट में अर्जुन के साथ संदीप सिंह भी हिस्सा ले रहे थे लेकिन वह 6 सीरीज के बाद 629.3 का ही स्कोर कर सके और 12वें स्थान पर रहते हुए खत्म किया।

संक्षेप खबरें

रमिता जिंदल ने मेडल इवेंट में बनाई जगह

पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए दूसरा दिन काफी खास रहा जिसमें मनु भाकर ने ब्रॉन्ज मेडल जीतने के साथ पदक तालिका में देश का खाता भी खोला। वहीं शूटिंग में ही महिला 10 मीटर एयर राइफल के इवेंट में भारत की 20 साल की निशानेबाज रमिता जिंदल ने क्वालिफिकेशन राउंड में 5वें नंबर पर रहते हुए मेडल इवेंट के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है। रमिता के अलावा क्वालिफिकेशन राउंड में भारत की इलावेनिल वलारिवान ने भी हिस्सा लिया था लेकिन वह 6 सीरीज के बाद 10वें स्थान पर रहीं जिसके चलते मेडल इवेंट में अपनी जगह बनाने में कामयाब नहीं हो सकी। रमिता ने क्वालिफिकेशन राउंड की सभी छह सीरीज में 104 से ऊपर का स्कोर किया था।

ओलंपिक के इतिहास में रमिता 20 सालों के बाद भारत की तरफ से पहली ऐसी महिला खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने शूटिंग के राइफल इवेंट के फाइनल में अपनी जगह को पक्का किया है। रमिता ने साल 2023 में बाकू वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने के साथ पेरिस ओलंपिक में अपनी जगह को पक्का किया था। रमिता का जन्म हरियाणा में हुआ था जहां से उन्होंने अपनी शूटिंग की जर्नी को भी शुरू किया। रमिता ने साल 2021 में हुई जूनियर वर्ल्ड चैंपियशिप में महिलाओं के इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। वहीं 19वें एशियन गेम्स में रमिता ने सिल्वर मेडल और ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफलता हासिल की थी। वहीं इस इवेंट के फाइनल मुकाबले को लेकर बात की जाए तो वह 29 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर एक बजे से खेला जाएगा।

मुश्किलों से भरा रहा भारतीय रोइंग स्टार बलराज का जीवन

ओलंपिक 2024 : पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय एथलीटों ने अपना कमाल दिखाना शुरू कर दिया है। भारत जैसे देश के लिए रोइंग का खेल काफी नया है। इस खेल में भारत के स्टार एथलीट बलराज पंवार ने पेरिस ओलंपिक में भारत का नाम उंचा किया है। आपको बता दें कि बलराज पंवार का जीवन आसान नहीं रहा है। यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मुश्किलों का सामना किया है। बलराज पंवार ने अपने पिता को कम उम्र में ही खो दिया था। जिसके बाद उनके जीवन में कई कठिनाइयां आई। जिसका उन्होंने डटकर सामना किया।

जीवन में ऐसे किया कमबैक

कम उम्र में अपने पिता को खोने के बाद, बलराज पंवार ने अपने परिवार का भरण–पोषण करने में सक्षम होने के लिए भारतीय सेना में एक पद की मांग की। उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि सेना में शामिल होने के चार साल के भीतर, वह पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र नाविक बन जाएंगे। पेरिस ओलंपिक में उन्होंने 27 जुलाई को रोइंग के क्वालीफाइंग राउंड में हिस्सा लिया। जहां वह अपने हीट में चौथे स्थान पर रहे। क्वार्टरफाइनल में जाने के लिए उन्हें टॉप 3 में फिनिश करना था। इसके बाद वह रेपचेज के जरिए अगले राउंड में क्वालीफाई कर सकते थे और 28 जुलाई, रेपचेज में दूसरे स्थान पर रहने के कारण, वह क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं।पेरिस ओलंपिक के लिए उनका एक ही लक्ष्य है। व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना। उनका मानना है कि यह उनके लिए सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए काफी होगा, एक ऐसा चरण जहां अब तक कोई भी भारतीय नाविक नहीं पहुंच सका है। दिलचस्प बात यह है कि ओलंपिक वेबसाइट पर उनका उपनाम भारतीय रोइंग का एमएस धोनी लिखा है, जिससे उन्हें काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

जितना आपको हार सिखाती है, उतना जीत नहीं', मनु भाकर

नई दिल्ली

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया है। वह भारत के लिए ओलंपिक के इतिहास में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज हैं। उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। टोक्यो ओलंपिक में मनु भाकर की पिस्टल खराब हो गई थी। इसी वजह से वह फाइनल राउंड में नहीं पहुंच पाई थीं। अब उन्होंने पेरिस में मेडल जीतने की कहानी बताई है।

सिर्फ काम पर रखा फोकसः मनु भाकर : इंडिया टीवी से बात करते हुए मनु भाकर ने कहा कि मुझे बहुत ही ज्यादा खुशी हुई है। मैं देश के लिए मेडल जीत पाई। आने वाले समय में हम शूटिंग और दूसरे इवेंट में मेडल जीतेंगे। जब आप पोडियम पर जाते हो और मेडल लेते हो, तब आपको समझ आता है, जो भी संघर्ष और समस्याएं हुई थीं। उनसे पार पाते हुए आप यहां तक पहुंचे हैं और फिर आप सब भूल जाते हो। मैं पहले तो बहुत ही ज्यादा नर्वस थी। पूरे मैच में कोई स्कोर बोर्ड या अनाउंसमेंट नहीं सुनी। मै पूरा ध्यान काम पर लगाने की कोशिश कर रही थी। मैं वही सोच रही थी कि अर्जुन कर्म पर ध्यान दो फल की चिंता मत करो। जब अनाउंस किया कि ब्रॉन्ज मेडल, तब मुझे पता चला कि मैंने क्या जीता है।

टोक्यो ओलंपिक में नहीं जीत पाई थीं मेडलः मनु भाकर ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक के बाद मैं काफी परेशान थी। मैं बहुत दुखी थी। जितना मैं कर सकती थी। उतना कर नहीं पाई। पूरे शूटिंग दल से कोई मेडल नहीं आया। कितना अच्छा चांस था और हम जीत नहीं पाए। वह दुख लंबे समय तक मेरे साथ चला। अब मैं आगे बढ़ चुकी हूं। मेरा ध्यान आगे आने वाले मैचों पर है। उम्र के बढ़ने के साथ काफी चीजें बदल जाती हैं। जितना आपको हार सिखाती है, उतना आपको जीत नहीं सिखाती है।

अपने कोच जसपाल राणा के बारे में बोलते हुए मनु भाकर ने कहा कि मैं उनसे बहुत साहस सीखती हूं। वह हमेशा पॉजिटिव रहते हैं। वह मुझे कभी हार नहीं मानने देते हैं। अगले दो इवेंट में के लिए उन्होंने कहा कि मेडल की पूरी कोशिश रहेगी।मैं देश के लिए मेडल जीत पाई। आने वाले समय में हम शूटिंग और दूसरे इवेंट में मेडल जीतेंगे।

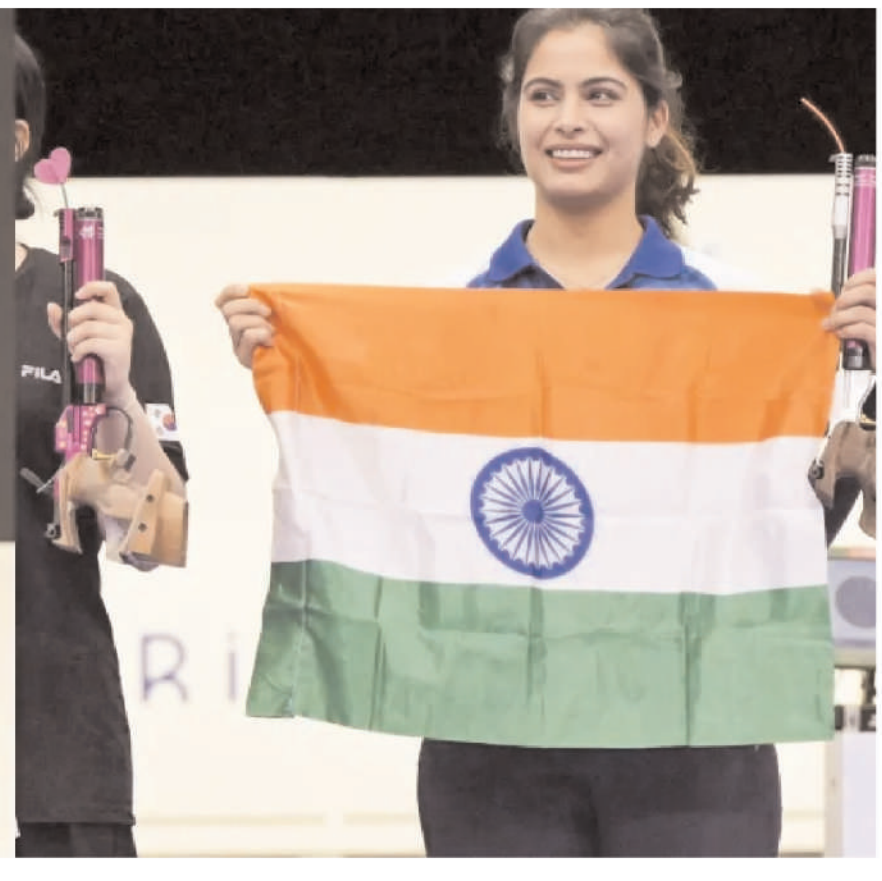

बॉलीवुड तड़का

बाथरोब में कातिल दिखीं श्वेता

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी भले ही 43 साल की हो गई हैं, लेकिन इस उम्र में भी वह इतनी खूबसूरत और स्टाइलिश नजर आती हैं कि उनके आगे नए उम्र की हीरोइनों की खूबसूरती भी कम पड़ जाए। आए दिन श्वेता तिवारी अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर चर्चा में बनी रहती हैं। सिर्फ यही नहीं खूबसूरती के साथ-साथ श्वेता फिटनेस के मामले में भी काफी आगे हैं। वो अक्सर अपनी टोंड बॉडी फ्लॉन्ट करती नज़र आती हैं। इसी बीच अब हाल ही में एक बार फिर श्वेता तिवारी ने कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है, जिसमें उनकी मदमस्त अदाओं पर फैंस दिल हार बैठे हैं।

श्वेता तिवारी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें वह बाथरोब पहनकर हुस्न की बिजलियां गिराती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में कैमरे के आगे श्वेता तिवारी जमकर अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं। श्वेता तिवारी की ये अदाएं देख फैंस मदहोश होते हुए नजर आ रहे हैं। श्वेता तिवारी की ये तस्वीरें हद से ज्यादा हॉट और बोल्ड हैं, जिसे देख इसपर किसी का भी दिल आ जाए। वहीं तस्वीरों में उनकी कातिलाना मुस्कान ने उनकी खूबसूरती में चार-चांद लगा दिया है। श्वेता की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर कमेंट कर उनकी तारीफों की पुल बांधते हुए नजर आ रहे हैं।

अपनी अदाओं से बेटी को देती हैं टक्कर बता दें कि, श्वेता तिवारी बी टाउन की ग्लैमरस एक्ट्रेस में से एक हैं। उन्हें इंडस्ट्री में काम किए कई साल बीत चुके हैं। 10 साल से भी ज्यादा समय से ग्लैमर की दुनिया में सक्रिय श्वेता तिवारी ना केवल अपने एक्टिंग से बल्कि अपनी खूबसूरती और अपनी कातिल अदाओं से भी लोगों के बीच छाई रहती हैं। श्वेता तिवारी भले ही दो बच्चों की मां हैं लेकिन इस उम्र में भी उनकी खूबसूरती के आगे उनकी 23 साल की बेटी भी फेल नजर आती हैं।

अपनी अदाओं से बेटी को देती हैं टक्कर बता दें कि, श्वेता तिवारी बी टाउन की ग्लैमरस एक्ट्रेस में से एक हैं। उन्हें इंडस्ट्री में काम किए कई साल बीत चुके हैं। 10 साल से भी ज्यादा समय से ग्लैमर की दुनिया में सक्रिय श्वेता तिवारी ना केवल अपने एक्टिंग से बल्कि अपनी खूबसूरती और अपनी कातिल अदाओं से भी लोगों के बीच छाई रहती हैं।

फिल्म 'बैड न्यूज' सिनेमाघरों में शानदार कमाई के साथ आगे बढ़ रही है

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल की हालिया रिलीज फिल्म बैड न्यूज सिनेमाघरों में कमाल दिखा रही है. फिल्म को भर-भरकर दर्शक मिले हैं. इसने पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी. विक्की कौशल के करियर की सबसे बड़ी ओपनर बनकर उभरी थी. पहले वीकेंड पर बैड न्यूज ने दमदार कलेक्शन किया था. अब दूसरे वीकेंड पर भी फिल्म ने गदर बॉक्स ऑफिस पर गदर उड़ा दिया है. 'बैड न्यूज' का 10वें दिन का कलेक्शन सामने आया है.

'बैड न्यूज' के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले दिन 8.3 करोड़ की शानदार कमाई की थी. इसके बाद पहले हफ्ते में फिल्म 42.85 करोड़ का कलेक्शन पूरा किया था. दूसरे हफ्ते में रविवार को इसने 3.75 करोड़ का कलेक्शन किया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'बैड न्यूज' ने अब तक टोटल 52.00 करोड़ कमा लिए हैं. इस तरह फिल्म ने 50 करोड़ का आंकड़ा पार करके हाफ सेंचुरी लगा दी है.

हेटेरोपैटरनल सुपरफेकुंडेशन मुद्दे पर बनी है. कहानी के साथ-साथ विक्की और तृप्ति की सिज़लिंग केमिस्ट्री ने भी दर्शकों का दिल जीता है .फिल्म के गाने जबरदस्त हिट हो गए हैं.

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क की फिल्म एक कॉमेडी-ड्रामा है. यह हेटेरोपैटरनल सुपरफेकुंडेशन मुद्दे पर बनी है. कहानी के साथ-साथ विक्की और तृप्ति की सिज़लिंग केमिस्ट्री ने भी दर्शकों का दिल जीता है.फिल्म के गाने जबरदस्त हिट हो गए हैं. इसमें नेहा धूपिया भी कैमियो रोल में नजर आई हैं. आनंद तिवारी के डायरेक्शन में बनी बैड न्यूज 19 जुलाई को रिलीज हुई थी.

खेसारी लाल यादव ने सावन के महीने में अपना नया शिव गीत रिलीज कर दिया

नई दिल्लीः भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव अपनी एक्टिंग ही नहीं बल्कि अपने भक्त भरे गानों को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। वहीं भोजपुरी इंडस्ट्री के ट्रेंडिंग स्टार कहे जाने वाले खेसारी लाल का नया शिव भक्ति गीत सवान के महीने में रिलीज किया गया है जो धूम मचा रहा है। अक्षरा सिंह, पावर स्टार पवन सिंह और अरविंद अकेला कल्लू जैसे सुपरस्टार सिंगर्स के बाद अब खेसारी लाल यादव का भगवान भोलेनाथ का गीत 'महादेव नाम तेरा' रिलीज हो गया है जो यूट्यूब पर धूम मचा रहा है।

खेसारी लाल यादव के 'महादेव नाम तेरा' गाने को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है और रिलीज होने के एक दिन के अंदर इस शिव भक्ति गाने को 10 मिलियन से अधकि ब्यूज मिल चुके हैं। छह दिन पहले ही खेसारी का पिछला गाना 'बम बम लागतर' रिलीज हुआ था, जिसे 80 लाख से अधकि बार देखा जा चुका है। वहीं अब 'महादेव नाम तेरा' नया गाना भी दूसरे दिन भी छाया हुआ है। इस गाने में आप खेसारी लाल को शिव भगवान के सामने नाचते हुए भक्त में लीन देख सकेत हैं।

खेसारी लाल के महादेव तेरा नाम का जलवा

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री के सेंसेशनल सिंगर कि लिस्ट में शामिल 'महादेव नाम तेरा' गाने में खेसारी का बहुत ही शानदार लुक देखने को मिल रहा है। इसके पहले भी वह कई बार इस भक्ति अवतार में दिखाई दे चुके हैं। इसके बोल प्रिंस प्रियदर्शी ने लिखे हैं और म्यूजिक प्रियांशु सिंह ने कम्पोज किया है। म्यूजिक वीडियो में खेसारी लाला यादव संग चाहत सिंह नजर आ रही हैं। गाने में पत्नी बनी चाहत अपने सईया जी खेसारी संग पूजा करते दिख रही हैं।

इसके पहले भी वह कई बार इस भक्ति अवतार में दिखाई दे चुके हैं। इसके बोल प्रिंस प्रियदर्शी ने लिखे हैं और म्यूजिक प्रियांशु सिंह ने कम्पोज किया है। म्यूजिक वीडियो में खेसारी लाला यादव संग चाहत सिंह नजर आ रही हैं। गाने में पत्नी बनी चाहत अपने सईया जी खेसारी संग पूजा करते दिख रही हैं।

लीक बाथरूम वीडियो पर पहली बार आया उर्वशी रौतेला का रिएक्शन, बोली- 'ऐसा किसी भी लड़की...

नई दिल्लीः उर्वशी रौतेला का कुछ दिनों पहले एक वीडियो सामने आया, जो उनके बाथरूम का था। सोशल मीडिया यूजर्स ने इस वीडियो को काफी शेयर किया और देखते ही देखते ये वीडियो इंटरनेट पर आग की तरह फैल गया था। कुछ लोगों ने एक्ट्रेस के इस वीडियो को पब्लिसिटी स्टंट तक बताया था। अब इसकी क्या सच्चाई है, इसका खुलासा खुद एक्ट्रेस ने किया है। हाल ही में उर्वशी एक इवेंट में पहुंची थीं, जहां उन्होंने इस वायरल वीडियो का सच बताया है। दरअसल, उर्वशी रौतेला जल्दी ही सुशी गणेशन के डायरेक्शन में बनी 'घुसपैठिया' फिल्म में नजर आने वाली हैं। जिसके प्रमोशन में एक्ट्रेस लगी हुई हैं। इसी फिल्म का प्रमोशन करने के लिए एक्ट्रेस एक इवेंट में पहुंची थीं, जहां उन्होंने अपनी बाथरूम से हुए लीक वीडियो पर बात की। एक्ट्रेस ने इस बारे में बात करते हुए बताया कि- 'ये मेरी कोई पर्सनल क्लिप नहीं है। वह फिल्म घुसपैठिया का एक सीन है।' इसके साथ ही एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि रियल लाइफ में उन्हें कभी ऐसी किसी सिचुएशन से नहीं गुजरना पड़ा है। उन्होंने कहा कि ऐसा किसी भी लड़की के साथ नहीं होना चाहिए।

जावेद अख्तर का ट्विटर अकाउंट हैक

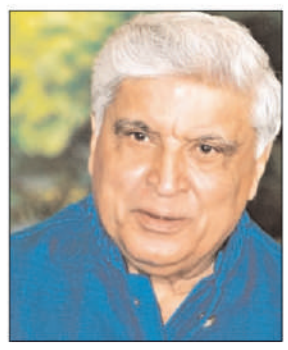

नई दिल्लीः दिग्गज गीतकार जावेद अख्तर का एक्स (ट्विटर) अकाउंट हैक हो गया है. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके इसकी जानकारी दी है. लेखक ने फैंस को बताया कि उनका अकाउंट हैक हो गया है. अख्तर ने स्पष्ट किया कि उनके अकाउंट पर दिखाई देने वाली भारतीय ओलंपिक टीम के बारे में एक पोस्ट उन्होंने नहीं लिखी है. बल्कि ये हैकर्स द्वारा पोस्ट की गई थी. जावेद अख्तर ने बताया कि वो इस समस्या से निपटने के लिए एक्स पर शिकायत दर्ज कर रहे हैं.

जावेद अख्तर ने पोस्ट में लिखा, मेरी एक्स आईडी हैक हो गई है. मेरे अकाउंट से ओलंपिक के लिए हमारी भारतीय टीम के बारे में एक संदेश आया है. यह पूरी तरह से हानिरहित है, लेकिन मैंने इसे नहीं भेजा है.

धनुष की 'रायन' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया तहलका

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार धनुष की जबरदस्त एक्शन फिल्म 'रायन' सिनेमाघरों में रिलीज होते ही चर्चा में आ गई। फिल्म को लेकर लोगों के बीच काफी समय से बज बना हुआ था। वहीं 100 करोड़ के बजट में बनी इस साउथ फिल्म में धनुष ने अपने खतरनाक एक्शन अवतार से एक बार फिर अपने फैंस का दिल जीत लिया है। बतौर डायरेक्टर और लीड एक्टर बन धनुष एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर छा गए हैं। फिल्म को दर्शकों से बहुत ही बेहतरीन रिव्यू मिल रहे हैं। इसी बीच फिल्म 'रायन' के दूसरे दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी सामने आ चुका है। वहीं दूसरे दिन धनुष ने अपनी ही दूसरी फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

रायन के दूसरे दिन का कलेक्शन

धनुष की एक्शन ड्रामा फिल्म 'रायन' में रोमांस, एक्शन और सस्पेंस को साथ में दर्शकों के सामने बहुत ही अच्छे से पेश किया है।

दर्द, त्याग और चुनौतियों के बाद मिलने वाली जीत की कहानी है 'सरफिरा'

नई दिल्लीः हिंदी सिनेमा में जब भी कोई रीमेक बनता है तो उसमें खामियां निकालना बेहद आसान होता है। किसी भी रीमेक को लोग पूर्वकल्पित धारणा के साथ ही देखने पहुंचते हैं। अमूमन बार यही वजह होती है कि रीमेक फेल साबित होती हैं, लेकिन सौभाग्य से अक्षय कुमार की फिल्म 'सरफिरा' हिंदी रीमेक होते हुए भी निखर के सामने आई है। 'सोरारई पोटरू' बनाने वाली निर्देशक सुधा कोंगारा ने 'सरफिरा' का निर्देशन सही दिशा में किया है, यही वजह रही कि रीमेक होने बावजूद के फिल्म असल कहानी के बिल्कुल करीब पहुंची। खैर अक्षय कुमार की फिल्म कितनी सफल है, मुख्य कास्ट की एक्टिंग कैसी है ये और कहानी किस दिशा में जा रही है ये जानने के लिए पढ़ें पूरी समीक्षा।

कहानी

'सरफिरा' जीआर गोपीनाथ की सच्ची कहानी पर आधारित है, जिन्होंने भारत में पहली कम लागत वाली एयरलाइन की शुरुआत की थी। एक छोटे से गाँव के रहने वाले गोपीनाथ के बड़े सपने थे। दर्द को जुनून बनाकर चुनौतियों को मात देते हुए इन सपनों को साकार करने की उँची उड़ान की कहानी ही 'सरफिरा' में दिखाई गई है। 'सरफिरा' में अक्षय कुमार एक पूर्व सेना अधिकारी वीर म्हात्रे की भूमिका निभाते हैं, जिन्हें लगातार अस्वीकृति का सामना करना पड़ता है। इसके बाद भी वो कभी हर नहीं मानते। लाखों भारतीयों को सस्ती हवाई यात्रा उपलब्ध कराने की उनकी महत्वाकांक्षा एक ऐसा सपना है जिसकी सफलता की राह में कई कांटे आते हैं। सबसे बड़ा है एयर बिज़नेस टाइकून परेश गोस्वामी, जिसका किरदार परेश रावल ने निभाया है। परेश गोस्वामी सुनिश्चित करता है कि वीर जो भी कदम उठाए उसे तुरंत बड़ा झटका लगे। वीर इस लड़ाई में अकेले नहीं हैं। उसके पास उसकी साहसी पत्नी रानी (राधिका मदान) है, सगे दोस्त हैं और उसके हर प्रयास का समर्थन करने वाली माँ का आशीर्वाद है। इसके अलावा गांववालों की हमदर्दी भी है। बार-बार परेश वीर की आत्मा को झगझोंरेगा, तड़पाएगा और चोट पहुंचाएगा लेकिन उसके जज़्बे को कमज़ोर करने के बजाए हर वार से और मज़बूत करेगा।'सरफिरा' गरीबी-अमीरी के भेदभाव को भी दिखती है और इसके साथ इसे दूर करने का बीड़ा भी उठाती है।

सुधा कोंगारा का लेखन और उनके दृश्यों का मंचन ज़िंदगी के प्रति उनके सकारात्मक नज़रिये को दिखाता है। यही फिल्म का मुख्य आकर्षण है।'मेयडे' की घोषणा करने वाले विमान के पहले दृश्य से लेकर वीर की मानसिकता और उसके कभी न हार मानने वाले जुनून को गहराई से दिखाने में सुधा ने सफलता हासिल की है। एम्बिशन को विज़न के साथ पूरा करने की कहानी कहने में निर्देशक सफल हैं। फिल्म कई सामाजिक मुद्दों पर गहराई से बात करते हुए एक टूक बात करती है। अमीरी-गरीबी की आर्थिक असमानता के साथ फिल्म महिला के पुरुष के फैसले में शामिल होते हुए भी सशक्त होने की नई परिभाषा पेश कर रही है।